RNI No.: UPHIN/25/A1697
GARVI GUJARAT
गरवी गुजरात
गरवी गुजरात
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक
वर्ष : 01
अंक : 321
दि. 25.03.2026, बुधवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

निवेश मित्र 3.0 का शुभारंभ: सीएम योगी बोले- माफिया कोई भी हो, दुस्साहस किया तो यमराज के यहां का टिकट कट रहा

लखनऊ (जीएनएस)।

लखनऊ के लोक भवन में निवेश मित्र 3.0 का शुभारंभ किया गया। यह पोर्टल निवेश और व्यवसाय को आसान बनाने के उद्देश्य से शुरू किया गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को लोकभवन में एआई-आधारित उन्नत सिंगल विंडो पोर्टल निवेश मित्र 3.0 का शुभारंभ किया। यह पहल प्रदेश में निवेश बढ़ाने, उद्योग स्थापना प्रक्रिया को सरल बनाने और उत्तर प्रदेश को 10 खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य को गति देने के उद्देश्य से शुरू किया गया। साथ ही यूपी प्राइवेट बिजनेस पार्क डेवलपमेंट स्कीम-2025 का भी शुभारंभ हुआ।

कार्यक्रम में मैन्युफैक्चरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, फूड प्रोसेसिंग, ऑटोमोबाइल सहित विभिन्न क्षेत्रों की 85 कंपनियों को लेटर्स ऑफ कम्फर्ट, एलिजिबिलिटी सर्टिफिकेट, भूमि आवंटन पत्र और 2,781.12 करोड़ रुपये की सब्सिडी दी जाएगी। डीबीएफओटी (पीपीपी) मॉडल पर आधारित प्लग-एंड-प्ले इंडस्ट्रियल शेड्स योजना भी शुरू हुई, जिससे निवेशक तुरंत उत्पादन शुरू कर सकेंगे।

इन्वेस्ट यूपी दो कंपनियों के साथ एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट सेल और द कन्वर्जेंस फाउंडेशन के साथ स्किल कनेक्ट सेल हेतु एमओयू करेगा। कार्यक्रम में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

पहले माफिया का प्रभाव था और कोई सुरक्षित नहीं था

सीएम योगी ने कहा, 2017 में जब हम निवेश की बात करते थे

तो निवेशक हंसते थे। कुछ लोग कहते थे कि हमने 5 साल पहले ही संकल्प ले लिया है कि यूपी नहीं जाएंगे। पहले माफिया का प्रभाव था और कोई सुरक्षित नहीं था। हर जिले में समानांतर सरकार चलती थी। कोई सुरक्षित नहीं था। तब माफिया के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई गई। अब माफिया कोई भी हो, दुस्साहस किया तो वह यमराज के यहां का टिकट काट रहा है।

सीएम ने कहा, यूपी में कभी लगभग ढाई एयरपोर्ट ही संचालित होते थे। ढाई का मतलब दो एयरपोर्ट पूरी तरह क्रियाशील थे, लखनऊ और वाराणसी। जबकि गोरखपुर और आगरा आधे माने जाते थे। गोरखपुर में एक फ्लाइट आती थी, वो भी कभी-कभी। आगरा में भी यही स्थिति थी। कोई मजबूत एयर कनेक्टिविटी का वातावरण नहीं था।

आज यूपी के पास 16 डोमेस्टिक एयरपोर्ट हैं। 4 इंटरनेशनल एयरपोर्ट हैं। भारत का सबसे बड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर में बन रहा है। इसका उद्घाटन 28 तारीख को प्रधानमंत्री के कर कमलों से होगा। यह देश का सबसे बड़ा कार्गो और लॉजिस्टिक हब बनेगा।

इसके साथ ही जेवर में एमआरओ सुविधा भी दी जा रही है। एयरक्राफ्ट मेंटिनेंस, रिपेयर और ओवरहॉलिंग की यह सुविधा देश में पहली बार होगी।

योगी आदित्यनाथ ने समावेशी विकास के महत्व पर प्रकाश डाला

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस बात पर जोर दिया कि देशभक्ति नारों से परे है, और उन्होंने चिकित्सा पेशेवरों से इसे समर्पित सेवा के माध्यम से प्रदर्शित करने का आग्रह किया। श्री गोरखनाथ स्वास्थ्य यात्रा 6.0 अलंकरण समारोह में बोलते हुए, उन्होंने डॉक्टरों को बाह्य रोगी विभागों से परे अपने अभ्यास का विस्तार करने और सीधे समुदायों के साथ जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

आदित्यनाथ समावेशी विकास के पैरोकार हैं

आदित्यनाथ ने समावेशी विकास के महत्व पर प्रकाश डाला, यह कहते

हुए कि यदि कोई भी सामाजिक समूह वंचित रहता है तो राष्ट्रीय प्रगति बाधित होती है। उन्होंने चिकित्सा समुदाय से यात्रा को एक सामाजिक आंदोलन में बदलने का आह्वान किया, और सुझाव दिया कि डॉक्टर हर महीने इस उद्देश्य के लिए एक रविवार समर्पित करें।

यह पहल सात सीमावर्ती जिलों के आदिवासी समुदायों को लक्षित करती है, जो अक्सर उपेक्षित आबादी को आवश्यक चिकित्सा देखभाल प्रदान करती है। आदित्यनाथ ने इन समुदायों के बीच विश्वास और सद्भावना बनाने में पहल की सफलता को नोट किया।

थारू समुदाय पर ध्यान केंद्रित करते हुए, आदित्यनाथ ने उनकी जीवन स्थितियों में सुधार के लिए सरकारी प्रयासों का विवरण दिया।

रक्षा मंत्री ने पश्चिम एशिया की स्थिति और भारत की रक्षा तैयारियों पर इसके प्रभाव की समीक्षा की

अपनी तैयारियों को बेहतर बनाने के लिए परिचालन और तकनीकी सबक का अध्ययन किया जाना चाहिए: श्री राजनाथ सिंह

"आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करते हुए, सीखे गए सबक, चुनौतियों और अवसरों को ध्यान में रखते हुए अगले दशक के लिए एक एकीकृत रोडमैप को औपचारिक रूप देने की आवश्यकता है"

(जीएनएस)।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 24 मार्च, 2026 को नई दिल्ली में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ, सेना प्रमुखों, रक्षा सचिव, रक्षा उत्पादन सचिव और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के अध्यक्ष के साथ बैठक के दौरान पश्चिम एशिया की स्थिति और भारत की रक्षा तैयारियों पर इसके प्रभाव का जायजा लिया। उन्हें वैश्विक और क्षेत्रीय सुरक्षा परिदृश्य, मौजूदा संघर्षों के संभावित विस्तार के भारत पर पड़ने वाले प्रभाव के साथ-साथ वर्तमान भू-राजनीतिक स्थिति से उत्पन्न चुनौतियों और अवसरों के बारे में जानकारी दी गई। मौजूदा उपकरणों के रखरखाव और सेवाक्षमता सहित रक्षा उपकरणों की खरीद और उत्पादन के लिए आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन पर स्थिति के प्रभाव का भी विश्लेषण किया गया।

रक्षा मंत्री ने निर्देश दिया कि भारत की तैयारियों को बेहतर बनाने के लिए मौजूदा संघर्ष से मिले परिचालन और तकनीकी सबक का निरंतर अध्ययन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'हमें अगले दशक के लिए एक व्यापक एकीकृत रोडमैप तैयार करने की आवश्यकता है, जिसमें सीखे गए सबक, आगे आने वाली चुनौतियों और अवसरों को ध्यान में रखते हुए सभी मोर्चों पर आत्मनिर्भरता और परिचालन तत्परता सुनिश्चित की जाए।'

जनगणना 2027 के लिए सुरक्षा उपाय

जनगणना 2027 को डिजिटल माध्यमों से आयोजित करने की योजना है। मोबाइल ऐप का उपयोग करके जनगणना कर्मियों द्वारा जनगणना डेटा संग्रह के अलावा, पहली बार एक वेब पोर्टल के माध्यम से उत्तरदाताओं द्वारा

स्वयं-गणना की प्रावधान भी किया गया है। जनगणना 2027 की विभिन्न गतिविधियों के प्रबंधन एवं निगरानी के लिए एक वेब पोर्टल विकसित किया गया है। जनगणना 2027 के पहले चरण के प्रश्न अधिसूचित किए जा चुके हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राज्यसभा में पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष की स्थिति पर संबोधन दिया

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज राज्यसभा को संबोधित करते हुए पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से उत्पन्न स्थिति पर सरकार का पक्ष प्रस्तुत किया। प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि तीन सप्ताह से अधिक समय से जारी इस युद्ध ने एक गंभीर वैश्विक ऊर्जा संकट उत्पन्न कर दिया है, जिसका भारत पर चिंताजनक प्रभाव पड़ रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इस बात पर विशेष बल दिया कि यह संघर्ष भारत के व्यापारिक मार्गों को बाधित कर रहा है और पेट्रोल, डीजल, गैस तथा उर्वरकों जैसी आवश्यक वस्तुओं की नियमित आपूर्ति को प्रभावित कर रहा है। खाड़ी देशों में कार्यरत लगभग एक करोड़ भारतीयों की सुरक्षा और जीविका का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने इसे चिंता का विषय बताया।

साथ ही, उन्होंने होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों पर फंसे बड़ी संख्या में भारतीय चालक दल के सदस्यों की स्थिति की ओर भी ध्यान आकर्षित किया।

सदन को आश्वस्त करते हुए प्रधानमंत्री ने वैश्विक समुदाय को यह मजबूत संदेश देते हुए कहा कि ऐसी चुनौतीपूर्ण और संवेदनशील परिस्थितियों में, यह अत्यंत आवश्यक है कि भारत की संसद के इस गरिमामय उच्च सदन से संपूर्ण विश्व के लिए शांति और संवाद का एक साझा एवं एकजुट स्वर गूँजे।

शादी-तलाक पर एक नियम, बेटियों को संपत्ति में हिस्सेदारी, लिव-इन का रजिस्ट्रेशन-गुजरात यूसीसी बिल के 5 बड़े फैसले

(जीएनएस)।

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने विधानसभा में यूनिफॉर्म सिविल कोड यानी वउउ बिल 24 मार्च को पेश किया। इसे सिर्फ एक कानून नहीं, बल्कि "समानता और एकरूपता" की दिशा में बड़ा कदम बताया जा रहा है। सरकार का दावा है कि यह बिल समाज में लंबे समय से चले आ रहे अलग-अलग निजी कानूनों की जगह एक समान व्यवस्था लाएगा, जिससे खासतौर पर महिलाओं को बड़ा फायदा होगा।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अपने भाषण में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लिए गए बड़े फैसलों-अनुच्छेद 370 हटाने, तीन तलाक कानून और राम मंदिर निर्माण-का जिक्र करते हुए कहा कि वउउ उसी कड़ी का अगला कदम है। उन्होंने साफ कहा कि संविधान के अनुच्छेद 14 में सभी नागरिकों को समानता का अधिकार दिया गया है, लेकिन राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी के कारण अब तक इसे लागू नहीं किया जा सका। आइए जानें 5 बड़े फैसले।

इस बिल का सबसे बड़ा संदेश यही है कि अब शादी, तलाक और उत्तराधिकार जैसे मामलों में अलग-अलग नियम नहीं, बल्कि एक समान कानून लागू होगा। यानी धर्म के आधार पर अलग-अलग पर्सनल लॉ की जगह एक ही नियम सबके लिए होगा। हालांकि सरकार ने यह भी साफ किया है कि कुछ पारंपरिक प्रथाओं, जैसे कजिन मैरिज, को फिलहाल बरकरार रखा गया है और आदिवासी समुदायों को इस बिल से बाहर रखा गया है।

यूसीसी बिल में सबसे बड़ा बदलाव रिश्तों को लेकर आया है। अब शादी, तलाक और यहां तक कि लिव-इन रिलेशनशिप का भी रजिस्ट्रेशन अनिवार्य होगा। अगर कोई लिव-इन में रहता है और रजिस्ट्रेशन नहीं कराता, तो उसे 3 महीने तक की सजा हो सकती है।

यू-विन पोर्टल पर अपडेट

18 मार्च 2026 तक, सार्वभौमिक टीकाकरण (यू-विन) पोर्टल पर राष्ट्रीय स्तर पर 11.87 करोड़ बच्चे और 3.96 करोड़ गर्भवती महिलाएं पंजीकृत हुए हैं।

प्रत्येक टीकाकरण कार्यक्रम के बाद, लाभार्थी यू-विन पोर्टल से क्यूआर कोड आधारित टीकाकरण प्रमाणपत्र डाउनलोड कर सकते हैं। वर्ष 2025 में, यू-विन पर 8.01 करोड़ लाभार्थी पंजीकृत हुए और डिजिटल क्यूआर कोड आधारित प्रमाणपत्र डिजिटल रूप से उपलब्ध हैं।

यू-विन ने टीकाकरण के लिए निर्धारित बच्चों की सूची बनाने में मदद की है। इन बच्चों को नियमित निगरानी के लिए पोर्टल पर डिजिटल रूप से सूचीबद्ध किया जाता है और एसएमएस अलर्ट के जरिए उनकी निर्धारित खुराक सुनिश्चित की जाती है। जो लाभार्थी टीकाकरण के लिए नहीं आते, उनकी सूची स्वतः तैयार कर ली जाती है।

आयुष मंत्रालय और डीबीटी ने आयुर्वेद में तपेदिक (टीबी) के उपचार में सहायक चिकित्सा के रूप में एक संयुक्त नैदानिक अध्ययन की घोषणा की

विज्ञान आधारित नवाचार और एकीकृत, साक्ष्य-आधारित स्वास्थ्य देखभाल समाधानों द्वारा भारत में टीबी के विरुद्ध लड़ाई में तेजी आ रही है: विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह

तपेदिक उन्मूलन का अर्थ केवल संख्या कम करना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक रोगी स्वास्थ्य, सम्मान और शक्ति के साथ जीवन व्यतीत करे: आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रतापराव जाधव

(जीएनएस)।

विश्व क्षय रोग (टीबी) दिवस के अवसर पर, केंद्रीय आयुष मंत्रालय ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) के साथ साझेदारी में "आयुर्वेद में तपेदिक के लिए सहायक चिकित्सा के रूप में नैदानिक अध्ययन" शीर्षक से एक सहयोगी नैदानिक अध्ययन की औपचारिक घोषणा के साथ एकीकृत स्वास्थ्य सेवा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन राज्य मंत्री, परमाणु ऊर्जा विभाग और अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह और आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारियों और वैज्ञानिकों की उपस्थिति में इस बारे में संयुक्त रूप से घोषणा की। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित इस उच्च स्तरीय कार्यक्रम में प्रमुख नीति निमार्ता, वैज्ञानिक, विद्वान, शोधकर्ता, चिकित्सक और अन्य महत्वपूर्ण हितधारक भी एकत्रित हुए, ताकि तपेदिक के खिलाफ लड़ाई में पारंपरिक और आधुनिक चिकित्सा के साक्ष्य-आधारित एकीकरण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया जा सके।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय, परमाणु ऊर्जा विभाग और अंतरिक्ष विभाग के राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने अपने संबोधन में कहा, 'भारत तपेदिक के खिलाफ लड़ाई में सही दिशा में आगे बढ़ रहा है और माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में समर्पित तथा नवोन्मेषी प्रयासों के कारण तपेदिक के मामलों में उल्लेखनीय कमी आई है।' उन्होंने कहा, 'इस सहयोगात्मक नैदानिक अध्ययन का शुभारंभ विज्ञान-आधारित, साक्ष्य-आधारित नवाचार के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो आधुनिक जैव चिकित्सा अनुसंधान को मान्य पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों के साथ एकीकृत करता है।

यूपी के मंत्री दानिश आजाद अंसारी के ईद स्नेह मिलन समारोह में उमड़ा जनसैलाब, सौहार्द और एकता का संदेश

लखनऊ, दिनांक — उत्तर प्रदेश सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी द्वारा आज लखनऊ में आयोजित 'ईद स्नेह मिलन' कार्यक्रम अत्यंत भव्य एवं सफल रहा। इस अवसर पर प्रदेश के विभिन्न जनपदों से बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता, धार्मिक गुरू, युवा एवं आमजन उपस्थित हुए। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के कई मंत्रीगण, जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी भी शामिल हुए।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ईद के पावन अवसर पर आपसी भाईचारे, सौहार्द एवं सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना रहा। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने एक-दूसरे को ईद की शुभकामनाएं दीं और मिल-जुलकर प्रदेश की तरक्की एवं शांति के लिए अपने संकल्प को दोहराया।

अपने संबोधन में राज्यमंत्री श्री दानिश आजाद अंसारी जी ने कहा कि ईद का पर्व हमें प्रेम, त्याग और इंसानियत का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' की भावना के साथ कार्य कर रही है और समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विशेष रूप से अल्पसंख्यक समुदाय के विकास के लिए सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि शिक्षा, रोजगार और कौशल विकास के क्षेत्र में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

कार्यक्रम में उपस्थित अन्य मंत्रीगणों ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और विभिन्न समुदायों के बीच आपसी विश्वास को मजबूत बनाते हैं। उन्होंने प्रदेश की कानून व्यवस्था, विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं की सराहना करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश आज प्रगति के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया, जिसमें कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति की विविधता और एकता को दशार्या। पारंपरिक व्यंजनों की भी विशेष व्यवस्था की गई, जिससे कार्यक्रम का माहौल और अधिक उत्साहपूर्ण बन गया।

कार्यक्रम में आए विभिन्न जिलों के प्रतिनिधियों ने इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के स्नेह मिलन कार्यक्रम समाज में आपसी दूरी को कम करने और भाईचारे को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि इससे समाज के विभिन्न वर्गों के बीच संवाद और सहयोग की भावना को प्रोत्साहन मिलता है।

राज्यमंत्री श्री अंसारी जी ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी अतिथियों, सहयोगियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजन किए जाते रहेंगे, जिससे समाज में एकता, सद्भाव और विकास की भावना को और सशक्त किया जा सके।

अंत में सभी उपस्थित लोगों ने एक साथ मिलकर प्रदेश की खुशहाली, अमन-चैन और प्रगति की कामना की। 'ईद स्नेह मिलन' कार्यक्रम ने न केवल त्योहार की खुशियों को साझा करने का अवसर प्रदान किया, बल्कि सामाजिक एकता और आपसी भाईचारे का एक मजबूत संदेश भी दिया।

सम्पादकीय

युद्ध के कारण दुनिया में ऊर्जा एवं रास्ते का संकट

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को राज्यसभा में जानकारी दी कि पामि एशिया में छिड़े संघर्ष के कारण मौजूदा संकट से निबटने के लिए अधिकार संपन्न सात नए समूहों का गठन किया गया है जो एलपीजी, आवश्यक सेवाओं एवं वस्तुओं की आपूर्ति एवं विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े अन्य विषयों का नियमित आंकलन कर सुझाव देंगे। प्रधानमंत्री ने और स्पष्ट करते हुए कहा कि पिछले तीन सप्ताह से चल रहे इस युद्ध के कारण दुनिया ऊर्जा एवं रास्ते के संकट से जूझ रही है।

दरअसल सोमवार को भी प्रधानमंत्री ने लोकसभा में पामि एशिया में तनाव के बीच बढ़ती पेट्रोल, डीजल, एलपीजी गैस और उर्वरक की मुश्किलों का उल्लेख किया था। साथ ही यह भी कहा था कि भारत होर्मुज स्ट्रेट पर ही निर्भर नहीं है। भारत 41 देशों से बात ऊर्जा आयात कर रहा है। इससे पहले पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने पत्रकारों को बताया था कि भारत अपने गैस एवं तेल आयात का 70 प्रतिशत हिस्सा होर्मुज स्ट्रेट के बाहर से आयात करता है। इसका मतलब है कि दुनिया के उन तमाम देशों में आपूर्ति पर होर्मुज स्ट्रेट में हो रही कार्रवाईयों पर चिन्ता है। किन्तु दुनिया की चिन्ताओं का ईरान पर कोई प्रभाव पड़ते नहीं दिख रहा है। ईरान तो रणनीति के तहत ही होर्मुज स्ट्रेट में झंडा लगे जहाजों को रोक कर दबाव बना रहा है।

बातचीत करने पर भारत के जहाजों को तो छोड़ देता है किन्तु उनकी संख्या बहुत कम है। भारत रूस और अमेरिका से भी तेल और गैस ले रहा है। मतलब यह है कि यदि होर्मुज स्ट्रेट को नजरंदाज करना पड़े तो सरकार ने ऐसा समझकर ही वैकल्पिक मार्गो का चयन पहले ही कर लिया था। देश की जनता को जब इस वास्तविकता की जानकारी हो गई तो हायतौबा मचाने वालों की संख्या और उनकी आवाज में भी कमी आ गई।

असल में वुछ लोगों ने अफरातफरी मचाने के लिए ही अफवाहों का सहारा लिया और परिणाम यह हुआ कि जिन लोगों के पास पीएनजी कनेक्शन था वे लोग भी सिलेंडर खरीदने व भरवाने के लिए सड़कों पर उतरे हुए दिखे। इससे अफरातफरी मची और वुछ लोगों को यह भी कहते सुना गया कि जब ऐसी स्थिति यानि ईरान के खिलाफ इजरायल और अमेरिका के हमलों का बना हुआ था तो भारत को पहले ही अपने लिए तेल व गैस की आपूर्ति की व्यवस्था कर लेनी चाहिए थी।

यह सच है कि भारत तेल और गैस का विशाल उपभोक्ता बाजार है, इसलिए संकरे समुद्री गलियारे में ईरान की दादागिरी के साए में तो कदापि अपनी जरूरतों की पूर्ति नहीं कर पाता। इसलिए भारत ने यह अच्छा किया कि दूसरे ऐसे देशों से आयात करने की व्यवस्था की जिनका मार्ग होर्मुज स्ट्रेट से नहीं था। किन्तु इस वैकल्पिक मार्ग में देरी होने की संभावना है। अब जैसे यूरोप या अमेरिका से तेल-गैस मंगाने पर 20 से 25 दिन लग सकता है जबकि कतर, सऊदी अरब से मंगाने पर तो एक सप्ताह का ही समय लगता है। इसलिए होर्मुज स्ट्रेट से तेलगैस की आपूर्ति जल्दी हो जाती है किन्तु देर से ही सही यदि भारत ने वैकल्पिक मार्गो से तेल-गैस आयात करने का एक बार सिस्टम विकसित कर लिया तो निति रूप से सप्लाई चेन का फायदा मिलेगा और लोग सड़कों पर नहीं उतरेंगे। बहरहाल प्रधानमंत्री ने दोनों सदनों में पामि एशिया में संघर्षो के कारण उत्पन्न संकट के दौरान भारत की मुश्किलों एवं उससे मुक्ति पाने की जो उम्मीद जताई है, वह बिल्वुल उचित एवं आवश्यक थी।

कई किसानों की आय दोगुनी हुई- संसद में श्री शिवराज सिंह चौहान ने दी जानकारी

किसानों को पसीने की पूरी कीमत देने के लिए प्रतिबद्ध है मोदी सरकार- लोक सभा में बोले केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान

हमारी सरकार ने किसानों को लागत + 50% एमएसपी दिया: श्री शिवराज सिंह

दलहन-तिलहन से फल-सब्ज़ियों तक, हर फसल पर किसान हित में ठोस सुरक्षा-कवच- केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान

पीएम-आशा, फसल बीमा और भावांतर से किसानों की आय सुरक्षित, हर संकट में अन्नदाता के साथ मोदी सरकार- श्री शिवराज सिंह चौहान

रिकॉर्ड एमएसपी खरीदी, सीधी मदद और डिजिटल फार्मर आईडी से किसानों को त्वरित राहत- केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान

हर हाल में किसान को उचित दाम मिलेगाझ लोकसभा में केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह ने जताई प्रतिबद्धता

(जीएनएस)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज लोकसभा में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार हर परिस्थिति में किसानों को उनकी उपज का उचित दाम दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है और अन्नदाता को संकट से उबारने के लिए किसी भी स्तर पर कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य पर रिकॉर्ड खरीदी, पीएम-आशा, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, भावांतर भुगतान और मार्केट इंटरवेंशन स्कीम जैसी व्यवस्थाओं के माध्यम से किसान की आय को मजबूत सुरक्षा-कवच प्रदान किया है और किसानों की आय दोगुनी हुई है।

लोकसभा में सांसदों द्वारा पूछे गए विभिन्न प्रश्नों के उत्तर देते हुए केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने और उनके हितों की रक्षा के लिए श्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने बीते वर्षों में कई ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। उन्होंने बताया कि कृषि उत्पादन में लगभग 44 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है और किसानों की उत्पादकता तथा आमदनी को समानांतर रूप से बढ़ाने का व्यापक अभियान चलाया गया है। श्री चौहान ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों के समय स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू करने के नाम पर सिर्फ बहाने बनाए गए, यहाँ तक कि यह तक कहा गया कि लागत से 50 प्रतिशत अधिक एमएसपी देने से बाजार विकृत हो जाएगा। इसके विपरीत, श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने उत्पादन लागत पर 50 प्रतिशत लाभ को ध्यान में रखकर न्यूनतम समर्थन मूल्य तय करने का निर्णय लिया और लगातार उसे लागू किया है, जिससे किसान को उसकी मेहनत का बेहतर प्रतिफल मिल सका है।

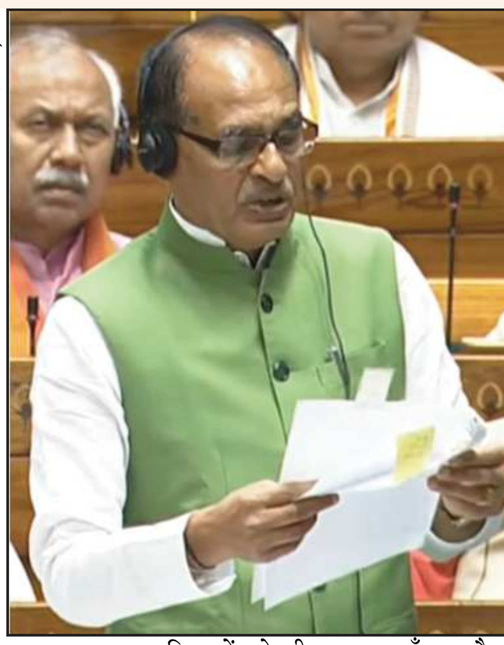

केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह ने स्पष्ट किया कि केवल एमएसपी घोषित कर देना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि उस पर वास्तविक खरीदी कराना ज्यादा महत्वपूर्ण है और इस दिशा में सरकार ने गेहूँ, धान, दलहन और तिलहन के साथ-साथ विभिन्न फसलों की एमएसपी पर रिकॉर्ड खरीदी कर किसानों को सीधा लाभ पहुँचाया है। उन्होंने कहा कि यह सरकार सिर्फ अनाज तक सीमित नहीं रही, बल्कि दलहन, तिलहन, फल और सब्ज़ियों तक के लिए भी सक्रिय हस्तक्षेप कर रही है ताकि किसी भी फसल के दाम गिरने पर किसान को नुकसान न उठाना पड़े। श्री चौहान ने बताया कि प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियानझ पीएम-आशा योजना, प्रधानमंत्री श्री मोदी के कार्यकाल में शुरू की गई एक महत्वपूर्ण पहल है जिसके अंतर्गत उन फसलों को सुरक्षा दी जाती है जिनके दाम अक्सर एमएसपी के नीचे चले जाते हैं। उन्होंने कहा कि पीएम-आशा के तहत तीन प्रकार की व्यवस्थाएँ बनाई गई हैंझ प्राइस सपोर्ट स्कीम के माध्यम से दलहन और तिलहन की सीधी खरीद, मूल्य-अंतर भुगतान व्यवस्था के जरिए एमएसपी और बाजार भाव के बीच की खाई को पाटना, और जरूरत पड़ने पर अन्य माध्यमों से भी किसानों को संरक्षण देना।

महाराष्ट्र के संदर्भ में पूछे गए प्रश्न पर केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह ने बताया कि हाल की प्राकृतिक आपदाओं के समय राज्य सरकार ने केंद्र की नीति-समर्थित डिजिटल व्यवस्था का भरपूर उपयोग किया और मात्र पाँच दिनों के भीतर फार्मर आईडी के माध्यम से 14,000 करोड़ रुपये सीधे किसानों के खाते में भेजकर त्वरित राहत पहुँचाई। उन्होंने कहा कि एक ओर राज्य सरकारें एसडीआरएफ जैसी व्यवस्थाओं के माध्यम से फसल-क्षति की भरपाई करती हैं, वहीं दूसरी ओर केंद्र सरकार प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत किसानों को बीमा-कवरेज और मुआवजा दिलाने में कोई कमी नहीं छोड़ रही है।

श्री चौहान ने सोयाबीन सहित दलहन और तिलहन की फसलों का उल्लेख करते हुए कहा कि दाम गिरने की स्थिति में सरकार केवल खरीद पर निर्भर नहीं रहती बल्कि भावांतर जैसी व्यवस्था के माध्यम से एमएसपी और बाजार भाव के बीच की पूरी की पूरी राशि सीधे किसान के खाते में डालने का विकल्प भी अपनाती है। उन्होंने मध्य प्रदेश का उदाहरण देते हुए कहा कि वहाँ भावांतर भुगतान योजना के जरिए बिना लाइन में लगवाए, बिना अतिरिक्त लॉजिस्टिक लागत के, किसानों की आय को संरक्षण दिया गया है, और यही मॉडल अन्य राज्यों के लिए भी प्रेरक है।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह ने कहा कि सरकार ने मार्केट इंटरवेंशन स्कीम (एमआईएस) के माध्यम से जल्दी खराब होने वाले फल और सब्ज़ियों के लिए भी एक मॉडल रेट तय कर, या तो सीधे खरीद की व्यवस्था की है या फिर मॉडल रेट और बाजार भाव के अंतर को किसान के खाते में जमा करने का निर्णय किया है।

मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल नोएडा ने मथुरा में यूरो-ऑन्कोलॉजी और गायने कैंसर ओपीडी सेवाएं की प्रारंभ

(जीएनएस)। मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल (नोएडा) ने अमर हेल्थकेयर में अपनी यूरो-ऑन्कोलॉजी और गायने-ऑन्कोलॉजी ओपीडी सेवाओं की शुरूआत कर दी है। ओपीडी सेवा का शुभारंभ मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, नोएडा के यूरो-ऑन्कोलॉजी, रोबोटिक सर्जरी एवं एंडोयूरोलॉजी विभाग के सीनियर डायरेक्टर डा. पंकज वाधवा और फीमेल यूरोलॉजी, गायने-ऑन्कोलॉजी एवं रोबोटिक सर्जरी विभाग के सीनियर कंसल्टेंट डा. द्वीप जिंदल की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर अमर हेल्थकेयर (मथुरा) के डायरेक्टर डा. संजय सूद और डा. मीना सूद भी मौजूद रहे। अब माह के प्रत्येक तीसरे मंगलवार को सुबह 11 से दोपहर 2 बजे तक डा. पंकज वाधवा और डा. द्वीप जिंदल, अमर हेल्थकेयर में मरीजों के लिए परामर्श और फॉलो-अप के लिए उपलब्ध रहेंगे। मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल (नोएडा) के यूरो-ऑन्कोलॉजी, रोबोटिक सर्जरी एवं एंडोयूरोलॉजी विभाग के सीनियर डायरेक्टर डा. पंकज वाधवा ने कहा कि रोबोटिक टेक्नोलॉजी ने किडनी, ब्लैडर, प्रोस्टेट और एड्रिनल ग्लैंड से जुड़े कैंसर के इलाज के तरीके को काफी बेहतर बना दिया है। कहा कि इसकी मदद से हाई

प्रिसिशन और पेशेंट-सेंट्रिक केयर दे पा रहे हैं। यूरो-ऑन्कोलॉजी में उनकी विशेषज्ञता के चलते मैक्स हॉस्पीटल में मिनिमली इनवेसिव ट्रीटमेंट ऑप्शंस प्रदान होता है। प्रोस्टेट, किडनी और ब्लैडर से जुड़े ऑपरेशंस में रोबोटिक्स बेहतर विजुअलाइजेशन एवं सटीकता देता है, जिससे कैंसर को प्रभावी तरीके से हटाया जा सकता है और इसके साथ ही जरूरी स्ट्रक्चर्स तथा फंक्शन्स सुरक्षित रहते हैं। इससे मरीजों की रिकवरी तेज होती है और कॉम्प्लिकेशन्स कम होते हैं तथा उनकी क्वालिटी ऑफ लाइफ बेहतर होती है। वहीं मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल (नोएडा) के फीमेल यूरोलॉजी, गायने-ऑन्कोलॉजी एवं रोबोटिक सर्जरी विभाग के सीनियर कंसल्टेंट डा. द्वीप जिंदल ने कहा कि कई महिलाएं व्यस्त दिनचर्या या जागरूकता की कमी के कारण शुरूआती लक्षणों को नजरअंदाज कर देती हैं, जबकि कैंसर के मामलों में देरी, रिस्क को काफी बढ़ा सकती है। बताया कि फीमेल यूरोलॉजी में भी रोबोटिक्स के प्रयोग से काफी प्रगति हुई है, जिससे यूरिनरी इनकॉन्टिनेंस और पेल्विक ऑर्गन प्रोलैप्स जैसी समस्याओं का इलाज बेहतर हुआ है। कहा कि रोबोटिक सर्जरी मिनिमली इनवेसिव अप्रोच के साथ बेहतर एनाटॉमिकल रिजल्ट देती है। एंडोमेट्रियल कैंसर और ओवेरियन कैंसर के लिए एचआईपीईसी जैसी प्रक्रियाओं में भी रोबोटिक्स का इस्तेमाल बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि इन समर्पित ओपीडी सेवाओं की शुरूआत के माध्यम से उनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि गायनेकोलॉजिकल कैंसर और यूरोगायनेकोलॉजी से जुड़ी समस्याओं का सामना कर रहीं महिलाओं को समय पर डायग्नोसिस, सटीक इलाज और संवेदनशील देखभाल मिल सके। कहा कि मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल (नोएडा) एडवांस्ड कैंसर केयर के क्षेत्र में अपनी मजबूत पहचान को लगातार और सुदृढ़ कर रहा है। रोबोटिक सर्जरी में महत्वपूर्ण प्रगति के साथ अस्पताल अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी, प्रिसिशन-ड्रिवन सर्जिकल सिस्टम्स और अनुभवी क्लिनिकल टीम से लैस है। बताया नहीं निरंतर अपग्रेडेशन और स्पेशलाइज्ड सेवाओं के माध्यम से, मैक्स हॉस्पिटल सभी मरीजों को वर्ल्ड-क्लास केयर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

टीबी मुक्त हो देश हमारा-रैली में जिला पंचायत अध्यक्ष के साथ दौड़े केएम चिकित्सक : जागरूकता रैली का झंडी दिखाकर जिला पंचायत अध्यक्ष ने किया शुभारंभ

-केएम अस्पताल में डिप्टी सीएमओ ने टीबी मरीजों को वितरित किए पोषण बैग

-टीबी दिवस पर केएम विश्वविद्यालय में हुए विविध जन जागरूकता कार्यक्रम

-डिप्टी सीएमओ ने सरकार द्वारा टीबी मरीजों के लिए चलाई जा रही कार्यक्रमों की दी जानकारी

-टीबी एक दूसरे से फैलता है, यह टीबी शरीर के किसी भी अंग में हो सकता है : कुलपति

(जीएनएस)। विश्व क्षय दिवस (24 मार्च) के अवसर पर केएम विश्वविद्यालय के मेडीकल कालेज एंड हॉस्पिटल के क्षय रोग विभाग द्वारा अस्पताल में तीन दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम अंतर्गत जागरूकता संगोष्ठी, जनजागरूकता रैली, पोस्टर व नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें मैराथन दौड़ का शुभारंभ झंडी दिखाकर जिला पंचायत अध्यक्ष एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति किशन चौधरी किया और स्वयं भी चिकित्सक, यूजी-पीजी और सैकड़ों एमबीबीएस छात्र-छात्राओं के साथ रैली में सहभागिता करके सभी का उत्साहवर्धन किया। इसके उपरांत विवि में विश्व टीबी दिवस की थीम ह्यह्यहां हम टीबी को समाप्त कर सकते हैं (यस वी केन ऐंड टीबी) पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में

सबसे पहले मुख्य अतिथि स्वास्थ्य विभाग के डिप्टी सीएमओ डा. गोपाल बाबू गर्ग, विवि के कुलपति डा. एनसी प्रजापति समेत अन्य अतिथियों का क्षय रोग विभाग के चिकित्सकों ने शॉल उड़ाकर और श्रीराधाकृष्णा की प्रतिमा एवं फुल के बुके देकर स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों समेत अस्पताल के मेडीकल सुप्रीडेंट डा. आरपी गुप्ता, एडीशनल मेडीकल सुप्रीडेंट डा. नमित गौतम, मेडीकल प्राचार्य डा. पीएन भिसे, नेत्र रोग विभाग के एचओडी डा. एमके तनेजा ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलित करके किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय विजेताओं समेत बॉयोलॉजी विभाग के प्रो. डा. दिनेश कुमार, मेडीसन के सीनियर रेसीडेंस डा. निशांत मलिक एवं स्त्री रोग विभाग की सीनियर रेजीडेंटस डा. ऐश्वर्या त्रिपाठी को प्रशिस्त पत्र और शील्ड देकर सम्मानित किया गया। वहीं अतिथियों के द्वारा 50 टीबी मरीजों को पोषण बैग वितरित किए गए। मुख्य अतिथि डिप्टी सीएमओ डा. गोपाल बाबू गर्ग ने कहा कि टीबी मरीजों को समय-समय पर अपने स्वास्थ्य की जांच कराते रहना चाहिए। उन्हें नियमित अपने वजन, हीमोग्लोबिन, बलगम की जांच कराके दवा का सेवन करना है। क्षय मरीजों को समय पर दवा का सेवन करने और सरकार द्वारा टीबी मरीजों के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमों की भी जानकारी दी गई। पहले टीबी के मरीज अस्पताल जाने से डरते थे, लेकिन सरकार के अहम कदम से आज टीबी बीमारी समाप्ति की ओर है। कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान पर 2030 तक भारत टीबी मुक्त हो जायेगा। इसीक्रम में विवि के कुलपति डा. एनसी प्रजापति ने कहा कि टीबी का इतिहास पुराना है, हमारा प्रयास सदा इसे समाप्त करने में रहेगा। टीबी एक दूसरे से फैलता है, यह टीबी शरीर के किसी भी अंग में हो सकता है। कहा कि आधुनिक तकनीकों की मदद से अब मल्टी-ड्रग रेजिस्टेंट टीबी का पता महज 90 मिनट में लगाया जा सकता है। नियमित रूप से दवाएं लेने पर टीबी पूरी तरह से ठीक हो सकती है। वहीं टीबी चेस्ट की सीनियर रेसींडेंस डा. मणी तिवारी ने कहा कि टीबी सबसे सकारात्मक बीमारी है, जो हवा के जरिए फैलती है, छाती के अलावा शरीर के किसी भी हिस्से को टीबी प्रभावित कर सकती है, खांसी, पसीना, भूख न लगना, सिर में दर्द, पेट फूलना जैसी तकलीफ अगर दो सप्ताह से अधिक है तो जांच कराएं, पूरा इलाज ही टीबी से मुक्त करा सकता है। उन्होंने कहा कि टीबी से डरे नहीं, नजरांदाज न करें।

नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय संचार अकादमी-वित्त में महानियंत्रक संचार लेखा की दो दिवसीय पूर्वी क्षेत्र समीक्षा बैठक का समापन हुआ

(जीएनएस)। दूरसंचार विभाग के महानियंत्रक संचार लेखा (सीजीसीए) कार्यालय ने महानियंत्रक संचार लेखा सुश्री वंदना गुप्ता की अध्यक्षता में 23-24 मार्च 2026 को नई दिल्ली के घिटोरनी में राष्ट्रीय संचार अकादमी-वित्त (एनसीए-एफ) में पूर्वी क्षेत्र समीक्षा बैठक का आयोजन किया।

पूर्वी क्षेत्र की फील्ड इकाइयों के प्रदर्शन और प्रगति की समीक्षा करने और प्रमुख कार्यात्मक क्षेत्रों में समन्वय को मजबूत करने के लिए बैठक का आयोजन किया गया था।

पूर्वी क्षेत्र में कोलकाता, बिहार, असम, झारखंड, उत्तर पूर्व-क, पश्चिम बंगाल और उत्तर पूर्व-कक की फील्ड इकाइयां शामिल हैं। इस समीक्षा बैठक में प्रधान सीसीए/सीसीए सहित वरिष्ठ अधिकारियों और इन सर्किलों के अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

दो दिवसीय बैठक के दौरान प्रशासन, पेंशन, आंतरिक लेखा परीक्षा, राजस्व प्रबंधन और डिजिटल भारत निधि (डीबीएन) से संबंधित गतिविधियों सहित महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर विस्तृत चर्चा हुई। फील्ड इकाइयों ने राजस्व निर्धारण, भ्रष्टाचार की रोकथाम, पेंशन सेवा वितरण और आंतरिक लेखा परीक्षा तंत्र को मजबूत करने के क्षेत्रों में अपनी उपलब्धियों, चुनौतियों और चल रहे कार्यों को प्रस्तुत किया।

यह उल्लेखनीय है कि पूर्वी क्षेत्र सामूहिक रूप से लगभग 350 दूरसंचार लाइसेंसधारियों और प्राधिकरणों का प्रबंधन करता है, लगभग 4,000 करोड़ रुपये का वार्षिक राजस्व संग्रह संभालता है और रअटढअठठ प्लेटफॉर्म के माध्यम से 60,000 से अधिक पेंशनभोगियों को पेंशन सेवाएं प्रदान करता है, जो इस क्षेत्र की महत्वपूर्ण परिचालन और सेवा वितरण जिम्मेदारियों को दशार्ता है।

डीबीएन मुख्यालय के प्रतिनिधियों के साथ एक संवाद सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें परिचालन और कार्यान्वयन संबंधी मुद्दों पर चर्चा की गई और क्षेत्रीय इकाइयों को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

बैठक में सभी सर्किलों में सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने, लेखा परीक्षा संबंधी टिप्पणियों का समय पर समाधान करने, राजस्व निगरानी को मजबूत करने और पेंशनभोगियों और हितधारकों को बेहतर सेवा प्रदान करने की आवश्यकता पर भी बल दिया गया।

भारतीय रेल ने ह्यरिफॉर्म एक्सप्रेसह्न के तहत पाँच नए सुधारों की घोषणा की; माल ढुलाई, निर्माण और यात्रियों की सुविधा पर बल

(जीएनएस)। रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज घोषणा की कि 2026 के दौरान सुधार करने के भारतीय रेल के संकल्प के अनुरूप, पाँच नए सुधारों को स्वीकृति दी गई है। इन नए सुधारों की मंजूरी के साथ, वर्ष 2026 के लिए सुधारों की कुल संख्या नौ हो गई है।

श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि वर्तमान 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' पहल के तहत, चार सुधारों की घोषणा पहले ही की जा चुकी थी और अब पाँच नए सुधार पेश किए जा रहे हैं। इन पाँच नए सुधारों में से दो माल ढुलाई से, एक निर्माण से और दो यात्रियों की सुविधा से संबंधित हैं।

नमक के परिवहन में सुधार

पांचवां सुधार नमक के परिवहन पर केंद्रित है। इसके बारे में श्री वैष्णव ने कहा कि भारत दुनिया में नमक के सबसे बड़े उत्पादकों और निर्यातकों में से एक है। नमक का उत्पादन करने वाले तीन प्रमुख राज्य तमिलनाडु, गुजरात और राजस्थान हैं। भारत में सालाना उत्पादित होने वाले लगभग 35 मिलियन टन नमक में से, लगभग 9.2 मिलियन टन प्रति वर्ष रेल द्वारा पहुँचाया जाता है, जो महत्वपूर्ण और ऐसा अवसर है जिसका अब तक उपयोग नहीं किया गया।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि नमक के परिवहन में रेलवे की हिस्सेदारी उसके उपयोग के अनुसार अलग-अलग होती है – औद्योगिक नमक के लिए यह लगभग 25 प्रतिशत है, और मानव उपभोग के लिए इस्तेमाल होने वाले नमक के लिए यह लगभग 65 प्रतिशत है। उन्होंने यह भी कहा कि रेलवे द्वारा पहुँचाए जाने वाले कुल नमक का 62 प्रतिशत हिस्सा 1,000 से 2,500 किलोमीटर की दूरी तय करता है, जिससे यह खंड रेल परिवहन के लिए बेहद उपयुक्त बन जाता है।

श्री वैष्णव ने कहा कि नमक उत्पादकों और ट्रांसपोर्टरों के साथ विस्तृत विचार-विमर्श किया गया ताकि इस क्षेत्र की चुनौतियों को समझा जा सके। इस अध्ययन में कई प्रमुख समस्याओं की पहचान की गई, जिनमें वैगनों का अनुपयुक्त डिजाइन, नमक के कारण वैगनों में जंग लगना, तिरपाल से ढके होने के बावजूद खुले वैगनों में पानी का रिसाव होना, और सामान की कई बार लोडिंग-अनलोडिंग (हैंडलिंग) के कारण लागत में वृद्धि और नुकसान होना शामिल हैं।

इन समस्याओं को हल करने के लिए अब स्टेनलेस स्टील से बना, ऊपर से लोड होने वाला और बगल से खाली होने वाला कंटेनर सिस्टम सफलतापूर्वक विकसित किया गया है।

कलम की अस्मिता और पत्रकारिता के नए सूर्योदय का आह्वान

(जीएनएस)। उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त संवाददाता समिति पुनर्गठन 2026 एक वैचारिक युद्ध,

आज के संक्रमण काल में पत्रकारिता केवल एक पेशा या आजीविका का साधन मात्र नहीं रह गई है, बल्कि यह कांटों भरी उस राह का नाम है जहाँ हर कदम पर सिद्धांतों की परीक्षा होती है। जब सत्ता का रसूख अपनी सीमाओं को लांघने लगे और प्रशासनिक दबाव निष्पक्ष आवाजों के गले घोंटने की कोशिश करे, तब लोकतंत्र के इस चौथे स्तंभ को किसी पदलोलुप नेता की नहीं, बल्कि एक ऐसे सारथी की जरूरत होती है जो निर्भीक होकर चट्टान की तरह पत्रकारों के हितों के सामने खड़ा रहे।

विडंबना देखिए, अक्सर चुनाव के वक्त बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन पद की कुर्सी मिलते ही वही लोग अपनों को भूल जाते हैं। व्यवस्था के साथ तालमेल बैठाकर कलमकारों का ही शोषण करना एक आम दस्तूर बन गया है। मगर हमें यह समझना

होगा कि चुनाव जीतना केवल एक राजनीतिक कला हो सकती है, लेकिन पत्रकारों के मान-सम्मान और उनके स्वाभिमान के लिए सीना तानकर प्रशासन से टकरा जाना एक अलग ही जज्बा है।

यह जज्बा, यह तेवर और यह बेबाकी आज सुल्तान शहरयार खान की पहचान बन चुकी है। वे केवल अध्यक्ष पद के एक उम्मीदवार मात्र नहीं हैं, बल्कि वे उस अटूट विश्वास का प्रतीक हैं जिसने हर अंधेरी रात में पत्रकारों की मशाल को रोशन रखा है। उनका नेतृत्व केवल एक पद का परिवर्तन नहीं, बल्कि पत्रकारिता की गरिमा को उसकी खोई हुई ऊंचाइयों तक वापस ले जाने का एक संकल्प है।

इस मिशन को और अधिक ऊजार्वान बनाने के लिए हमारे पास परवेज अख्तर जैसा युवा और जुझारू चेहरा है। संयुक्त सचिव के पद पर उनकी दावेदारी इस बात का प्रमाण है कि नई पीढ़ी के पत्रकारों में न केवल जोश है, बल्कि अपने वरिष्ठों के प्रति सम्मान और साथियों के प्रति अटूट निष्ठा भी है। परवेज की ऊर्जा और जुझारूपन आने वाले समय में पत्रकारों की नई और सशक्त आवाज बनने की पूरी क्षमता रखता है।

मैं आप सभी प्रबुद्ध पत्रकार साथियों, कलम के सिपाहियों और शुभचिंतकों से पुरजोर अपील करता हूँ कि परिवर्तन और न्याय के इस महाकुंभ में अपनी भूमिका सुनिश्चित करें। उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त संवाददाता समिति के इस चुनाव में अपना बहुमूल्य वोट सुल्तान शहरयार खान (अध्यक्ष पद) और परवेज अख्तर (संयुक्त सचिव पद) के पक्ष में देकर उन्हें ऐतिहासिक मतों से विजयी बनाएं।

याद रखिये, आपका एक वोट केवल एक बैलेट पेपर का टुकड़ा नहीं है, बल्कि हमारी सामूहिक शक्ति, हमारे सुरक्षित भविष्य और पत्रकारिता की निष्पक्षता की मजबूत नींव है।

आइये, एकजुट होकर एक नए युग की शुरूआत करें!

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

प्रतिभा का परचम, कोलंबिया फाउंडेशन की छात्रा लायबा ने हिंदी राष्ट्रभाषा प्रतियोगिता में जीते दो स्वर्ण पदक

लखनऊ। कहा जाता है कि यदि हौसले बुलंद हों और गुरुओं का आशीर्वाद साथ हो, तो सफलता कदम चूमती है। इसे सच कर दिखाया है कोलंबिया फाउंडेशन स्कूल की होनहार छात्रा कुंवारी लायबा ने। लायबा ने न केवल अपनी कक्षा में 'बेस्ट पारी' खेलकर शैक्षणिक श्रेष्ठता सिद्ध की, बल्कि राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भी स्वर्ण अक्षरों में अपना नाम दर्ज कराया है।

लायबा पुत्री श्री इजहार अहमद ने महात्मा गांधी राष्ट्रभाषा हिंदी प्रचार संस्था' द्वारा आयोजित देशव्यापी हिंदी राष्ट्रभाषा प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था। अपनी मेहनत और भाषा पर पकड़ के दम पर उन्होंने इस परीक्षा को प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण किया। इस गौरवमयी उपलब्धि के लिए उन्हें सर्टिफिकेट, दो गोल्ड मेडल और एक विशेष शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया।

लायबा की इस उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों में खुशी की लहर है। सम्मान समारोह के दौरान शिक्षकों ने लायबा का मनोबल बढ़ाते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय के मैनेजर जनाब मजहर साहब, हेड ऑफ टीचर रक्षा मैम, प्रिंसिपल, और क्लास टीचर शाईना मैम व ईरम मैम ने बच्ची को आशीर्वाद देते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं छात्रों के व्यक्तित्व में निखार लाती हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि लायबा भविष्य में भी इसी तरह अपने माता-पिता और स्कूल का नाम रोशन करती रहेंगी।

लायबा के पिता श्री इजहार अहमद ने इस सफलता पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए स्कूल के समस्त स्टाफ का दिल से शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के सही मार्गदर्शन के बिना यह मुकाम हासिल करना मुमकिन नहीं था। उल्लेखनीय है कि लायबा के बड़े भाई मो० हुजैफ ने भी कक्षा 8 तक की शिक्षा इसी विद्यालय से प्राप्त की है, जो इस परिवार का स्कूल के प्रति अटूट विश्वास दर्शाता है।

'द यश मंगलम शो' की नई लघु फिल्म 'युवा बिहार' में युवा पीढ़ी के जज्बे और जुनून की असरदार अभिव्यक्ति

"बिहार दिवस" पर पटना में हुआ शानदार लोकार्पण

मुंबई, 24 मार्च। भारत के ऐतिहासिक प्रदेश बिहार के स्थापना दिवस की वर्षगॉठ के अवसर पर इंटरनेट के लोकप्रिय माध्यम यू-ट्यूब पर एक सुरुचिपूर्ण लघु फिल्म "युवा बिहार का लोकार्पण हुआ, जिसमें बिहार की युवा पीढ़ी के अद्भुत हुनर एवं बुलंद हौसलों के साथ युवाओं के जोश, जज्बे और जुनून की असरदार अभिव्यक्ति की गई है। पिछले दिनों जारी विभिन्न लघु फिल्मों को मिली निरंतर सफलता के बाद सृजनात्मक उत्कृष्टता के एक सशक्त ब्रांड के रूप में लोकप्रिय होते जा रहे "द यश मंगलम शो" की नवीनतम कड़ी के रूप में इस लघु फिल्म " युवा बिहार" का लोकार्पण बिहार दिवस के अवसर पर बिहार की राजधानी पटना के टेन्डर हार्ट्स इंटरनेशनल, स्कूल में किया गया। उल्लेखनीय है कि बिहार के शिक्षा मंत्री श्री सुनील कुमार ने भी इस जोशीली लघु फिल्म का अवलोकन कर इसकी सृजनात्मक उत्कृष्टता को सराहा है।

एक अनूठी सृजनात्मक पहल के अंतर्गत "वाइब्रेशन्स मीडिया वर्क्स, मुंबई" द्वारा "महतपुरकर एंड मंगलम फाउंडेशन" के बैनर तले नवसृजित यह अद्भुत लघु फिल्म "युवा बिहार" सोशल मीडिया के सबसे सशक्त प्लेटफॉर्म यू-ट्यूब पर मौजूद सुरुचिपूर्ण चैनल "द यश मंगलम शो' के अंतर्गत अपलोड की गई है, जो अपने अनूठे कंटेंट और प्रस्तुतीकरण के विलक्षण अंदाज के लिए काफी लोकप्रिय है और व्यापक तौर पर सराहा जाता रहा है। इससे पहले इस लोकप्रिय शो की "धरोहरः ए पोएटिक

बिहार दिवस के अवसर पर "द यश मंगलम शो" की नवीनतम लघु फिल्म "युवा बिहार के पोस्टर तथा समारोह में प्रस्तुत एक आकर्षक नृत्य का दृश्य।

सागा", *"शिल्पकार", "योगा रिट्रीट", "सेहत के रखवाले", *कारगिल विजय दिवस- ए पोएटिक सागा, "मैं भारत हूँ..!", *"पथ प्रदर्शक"* " द लीगेसी ऑफ मैथेमेटिक्स" और "वंदे मातरम" जैसी प्रभावशाली कड़ियॉ यू-ट्यूब पर काफी अच्छा प्रतिसाद पा चुकी हैं। इस शो के जोशीले और युवा शो-बॉय यश मंगलम हैं, जो सिर्फ.16 वर्ष की आयु में ही अपनी दमदार आवाज, आकर्षक व्यक्तित्व और सशक्त प्रस्तुतीकरण से अपनी शानदार शैली की बदौलत शो- बिज की दुनिया में अपने पैर बखूबी जमा रहे हैं। इस विशेष लघु फिल्म का प्रभावशाली लेखन मुंबई के सुपरिचित गीतकार, मंच संचालक तथा मीडिया एवं जनसम्पर्क सलाहकार गजानन महतपुरकर ने किया है, जिसमें बिहार राज्य के गौरवशाली इतिहास और इसके राष्ट्रीय महत्व के विभिन्न पहलुओं को बखूबी पिरोया गया है। उल्लेखनीय है कि गजानन महतपुरकर द्वारा लिखी गई 12 से अधिक लघु फिल्में पहले ही यू-ट्यूब पर धूम मचा चुकी हैं। इसी क्रम में अब नवीनतम लघु फिल्म के जरिये गजानन महतपुरकर की सशक्त लेखनी और सुप्रसिद्ध फिल्म निर्देशक अनुपम मंगलम के कुशल निर्देशन का कमाल यू-ट्यूब पर लोकप्रिय हो रहा है। इस सशक्त, प्रभावशाली और संवेदनशील लघु फिल्म को अपने कुशल निर्देशन के जरिये पर्दे पर उतारने का दायित्व बखूबी निभाया है, मुंबई के विज्ञापन एवं फिल्म जगत के भरोसेमंद निर्देशक अनुपम मंगलम ने, जिनको पिछले 25 सालों में 300 से ज्यादा विज्ञापन फिल्में बनाने का समृद्ध अनुभव प्राप्त है। वरिष्ठ राजनेता श्री राजाराम पांडेय जी की संकल्पना पर आधारित इस फिल्म के प्रोड्यूसर श्री जय कपूर हैं। इसके एसोसिएट प्रोड्यूसर श्री राजीव भार्गव और क्रिएटिव डायरेक्टर सुश्री रत्ना नीलम पांडे हैं। इस नवसृजित लघु फिल्म का भावपूर्ण पार्श्व संगीत समीर पखाले ने दिया है। वीडियोग्राफी संजय वैष्णव, वी एफ एक्स संयोजन गिनीलाल सालुंके, कॉस्ट्यूम डिजाइनिंग कला मंगलम और एडिटिंग प्रताप शिंदे द्वारा सुनिश्चित की गई है। पोस्ट प्रोडक्शन "वाइब्रेशन्स मीडिया वर्क्स, मुंबई" ने किया है। बिहार दिवस के महत्वपूर्ण अवसर पर जारी इस विशेष लघु फिल्म को सोशल मीडिया पर काफी अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है और इसकी विलक्षण गुणवत्ता को बड़े पैमाने पर सराहा जा रहा है। इस ऊजार्वान लघु फिल्म का प्रदर्शन म्यूज़ियम, बिहार के अनेक विद्यालयों और पटना के विभिन्न प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में किया जाएगा। इस लघु फिल्म की प्रमुख पंक्तियॉं कुछ इस तरह रची गई हैं :- सच बताइये दोस्तों ङ्क! क्या बिहार सिर्फ एक जगह का नाम है ? या फि र एक सोच की शैली या एक अनूठी शक्ति का भंडारङ्क जिसे है सही वक़्त का इन्तजार..! ये राज्यङ्कसिर्फ जमीन नहीं है, ये मेमोरी है...! ये मूवमेंट है...! ये समय के कैनवास पर जॉंबाज इरादों का स्टेटमेंट है..! जो कभी रुकता नहीं ङ्क! कभी थकता नहीं...! कभी झुकता नहीं..! दोस्तों, अपना बिहार सिर्फ हिस्ट्री का चैप्टर नहीं, बल्कि इंडियन फ्यूचर के नैक्स्ट चैप्टर का टाइटल है......बिहार...! भारतीय संस्कृति के धरातल पर है बुलंद हौसलों की हुंकार..! ये मिट्टी सिर्फ धूल नहीं.... चिंगारी है, आज हर टेलेंट की पूरी तैयारी है, ये युवा बिहार है मित्रों अब हमारी बारी है..!

यह लघु फिल्म इस यू-ट्यूब लिंक पर देखी जा सकती है :-

https://youtu.be/Ec2e9-rnX80?si=t_h-ZvdfYEHBs7qE

गले में फंदा लगा गेहूं के खेत में पड़ा मिला युवक का शव

-बड़े भाई ने बताया दिमागी हालत नहीं थी ठीक

-तीन साल से प्रयागराज में चल रहा था इलाज

(जीएनएस)।

फतेहपुर। सुल्तानपुर घोष थाना क्षेत्र के अफोई गांव स्थित भारत पेट्रोल पंप के सामने मंगलवार की सुबह करीब 5 सौ मीटर की दूरी पर एक गेंहू के खेत में गले में लगा युवक का शव पाया गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। तलाशी लेने पर उसके जेब से आशा तम्बाकू और एक मोबाइल नंबर लिखा पर्चा पुलिस को बरामद हुआ। नंबर पर फोन लगाकर जानकारी करने पर युवक की पहचान खागा कोतवाली के बहलोलपुर ऐलई गांव निवासी स्वर्गीय छेद्दू का पुत्र बुद्धराज पासवान के रूप में की। करीब एक घंटे बाद फोरेंसिक टीम भी पहुंची।

खागा कोतवाली क्षेत्र के बहलोलपुर ऐलई गांव निवासी सुरेश पासवान ने बताया कि भाई बुद्धराज पासवान (24) सोमवार को बिना बताये 2 बजे घर से निकला था। घर वापस न आने देर रात तक तलाश की गई, लेकिन उसका कहीं पर भी पता नहीं सका था। करीब 11 बजे उन्हें भाई की मौत होने की जानकारी हुई तो वह मौके पर पहुंचे। घटनास्थल पर पेड़ में नायलॉन की जाली लगी थी। बबूल के पेड़ के नीचे मृतक की चप्पल पड़े हुए थे तथा मृतक के गले में और बबूल की डाल में नायलॉन की जाली बंधी देखी गई। बड़े भाई रमेश ने बताया कि करीब तीन साल से भाई की दिमागी हालत ठीक नहीं थी, प्रयागराज में उनका इलाज चल रहा था। घटनास्थल से करीब 4 किमी दूर मोहम्मदपुर गौंतीं का मजरा चांदपुर गांव में उनकी बहन सुनीता देवी की ससुराल है, शायद यहीं के लिए भाई निकला रहा हो। परिवार में माता रामदुलारी, भाई गुड्डा, रमेश, अवधेश हैं। थाना प्रभारी तेज बहादुर सिंह ने बताया कि आत्महत्या प्रतीत हो रही है, शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

एंटी करप्शन टीम ने सीएमओ ऑफिस में रिश्वत ले रहे बाबू को पकड़ा : स्वास्थ्य विभाग में पनप रहा भ्रष्टाचार

(जीएनएस)।

सीएमओ ऑफिस में मंगलवार को हड़कंप की स्थिति बन गई। एंटी करप्शन टीम ने विकलांग विभाग के बाबू शशिकांत को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया। बताते हैं कि एंटी करप्शन टीम ने योजना बनाकर कार्रवाई करके रिश्वत ले रहे सीएमओ ऑफिस के बाबू को गिरफ्तार किया और तुरंत उसे गाड़ी में बिठाकर अपने साथ ले गई। एंटी करप्शन की कार्रवाई के बाद पूरे स्वास्थ्य विभाग में हलचल का माहौल बना रहा। बताते चलें कि कुछ दिन पहले ही स्वास्थ्य विभाग के एक अन्य कर्मचारी को भी 2 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया था, उसके बाद से विभाग में भ्रष्टाचार के आरोप लगातार सामने आ रहे हैं। लगातार एंटी करप्शन की कार्रवाई के बाद स्वास्थ्य विभाग में भ्रष्टाचार की जड़ें गहरी नजर आ रही हैं। कई बार कार्रवाई होने के बाद भी स्वास्थ्य विभाग में हालात सुधार नहीं रहे हैं। अब सीएमओ ऑफिस से रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़े गए बाबू के बाद स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली भ्रष्टाचार के दलदल धंसी हुई नजर आ रही है।

अवैध बिजली उपयोग पर सख्ती, दो किसानों पर मुकदमा दर्ज

खखरेरू/फतेहपुर विद्युत विभाग की ओर से क्षेत्र में चलाए जा रहे सघन चेकिंग अभियान के तहत अवैध बिजली उपयोग के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई की गई। इस दौरान बिना कनेक्शन के ट्यूबवेल चलाते पकड़े गए दो किसानों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है।

खखरेरू (कनपुरवा) पावर हाउस के अंतर्गत जेई धीरेंद्र सिंह के नेतृत्व में खखरेरू, दौलतपुर समेत कई गांवों में जांच अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान अहमद अली (खखरेरू) और भैयालाल (दौलतपुर) को बिना वैध कनेक्शन के अवैध रूप से बिजली का उपयोग कर ट्यूबवेल संचालित करते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया।

चेकिंग टीम ने दोनों के खिलाफ स्थानीय थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। विभाग की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध बिजली उपयोग करने वालों में हड़कंप मच गया है।

विभागीय अधिकारियों का कहना है कि बिजली चोरी के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं, स्थानीय लोगों ने विभाग की इस कार्रवाई की सराहना की है।

सरसों चोरी मामले में दो नाबालिग किशोर गिरफ्तार

खखरेरू/फतेहपुर थाना क्षेत्र के पौली गांव में छत से पीली सरसों चोरी के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो दिन के भीतर दो नाबालिग किशोरों को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से करीब 30 किलो पीली सरसों बरामद की गई है।

जानकारी के अनुसार, गांव निवासी नासिर हुसैन पुत्र हामिद हुसैन के घर की छत पर रखी छह बोरी पीली सरसों शनिवार रात अज्ञात चोरों ने पार कर दी थी। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने जांच शुरू की।

पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर अमलिया-खैरई मार्ग के पास से अहमद रजा (15) पुत्र मसूक रजा और उसके साथी अहमद रजा उर्फ बूटी (17) पुत्र जुल्फिकार को रविवार दोपहर करीब दो बजे गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने दोनों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हें किशोर न्यायालय (अपचारी) भेजने की कार्रवाई की है।

कोतवाली थाना क्षेत्र में बिल्डिंग का मलबा गिरा, राहत कार्य जारी

प्रयागराज

प्रयागराज के कोतवाली थाना क्षेत्र में नवाब की रसोई के पास साउथ मलाका इलाके में एक बिल्डिंग का मलबा अचानक गिर गया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

सूचना मिलते ही पुलिस और राहत टीम मौके पर पहुंच गई है और रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। मलबे में किसी के दबे होने की आशंका के चलते सर्च अभियान चलाया जा रहा है।

घटना स्थल पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई है, जिससे राहत कार्य में दिक्कतें भी सामने आ रही हैं।

फिलहाल हादसे के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है। प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

मेलबोर्न के अप्रवासी हिंदू सम्मेलन में महेंद्र प्रताप सिंह होंगे मुख्य अतिथि : श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन को मिला वैश्विक समर्थन

-ऑस्ट्रेलिया से आए प्रतिनिधिमंडल ने हिंदू पक्षकार को सौंपे हस्ताक्षर अभियान के दस्तावेज

-अन्य देशों में भी होंगे कार्यक्रम, तय की जा रही रूपरेखा

(जीएनएस)।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेजी से विस्तार ले रहा है। पांच वर्ष पूर्व शुरू हुआ यह आंदोलन देश-विदेश में अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है। आंदोलन की गति को देखते हुए इसके वैश्विक स्तर पर फैलने के संकेत मिल रहे हैं। इसीक्रम में ब्राह्मण आस्ट्रेलिया महासभा के अध्यक्ष चंदर शर्मा ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि बनाम शाही ईदगाह मस्जिद प्रकरण के हिंदू पक्षकार एवं श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट को 20 जून को मेलबोर्न (ऑस्ट्रेलिया) में आयोजित अप्रवासी हिंदुओं के विराट सम्मेलन में शामिल होने का निमंत्रण दिया है। वह सम्मेलन के मुख्य अतिथि होंगे।

ग्लोबल सनातन सेवा समिति के अध्यक्ष आजाद शर्मा के नेतृत्व में राष्ट्रीय महामंत्री विजय प्रभाकर,

सुनील प्रभाकर एवं अनूप कश्यप वृंदावन पहुंचे। उन्होंने श्रीकृष्णा इंटरनेशनल होटल स्थित कैंप कार्यालय पर न्यास अध्यक्ष से भेंट की और ऑस्ट्रेलिया में चलाए गए हस्ताक्षर अभियान के रजिस्टर सौंपे। प्रतिनिधिमंडल ने इस दौरान उनका स्वागत कर तलवार भेंट की। राष्ट्रपति को भेजे जाएंगे दस्तावेज। न्यास अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट ने बताया कि हस्ताक्षर अभियान के सभी दस्तावेज राष्ट्रपति को भेजे जाएंगे। उन्होंने कहा कि मूल गर्भगृह स्थल पर मंदिर निर्माण की मांग को लेकर वह मेलबोर्न सम्मेलन में भाग लेंगे। कई देशों में होंगे कार्यक्रम। उन्होंने बताया कि भविष्य में स्पेन, ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, जर्मनी, न्यूजीलैंड और कनाडा में भी इसी प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस संबंध में प्रतिनिधिमंडल के सदस्य विजय प्रभाकर ने कहा कि कनाडा लौटते ही कार्यक्रमों की तैयारियां शुरू कर दी जाएंगी। जन्मभूमि स्थल का किया अवलोकन। आजाद शर्मा ने बताया कि वह विशेष रूप से निमंत्रण देने ऑस्ट्रेलिया से आए हैं। प्रतिनिधिमंडल ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि पहुंचकर गर्भगृह स्थल के दर्शन किए और वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने भव्य मंदिर निर्माण की आवश्यकता पर बल दिया। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने वृंदावन स्थित चिंतामणि कुंज में पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर डा. आदित्यानंद जी महाराज, भगवताचार्य कृष्णचंद्र शास्त्री, राधाबल्लभ मंदिर के महंत मोहित मराल जी महाराज एवं नवल नागरी महाराज और कई अन्य प्रमुख संतों से भेंट कर जन्मभूमि विवाद तथा आंदोलन को गति देने की रणनीति पर चर्चा की। इसी के साथ संत प्रेमानंद जी महाराज से भी आशीर्वाद प्राप्त किया। जल्द निकलेगी बड़ी यात्रा। महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट ने बताया कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति के लिए जल्द ही एक बड़ी यात्रा निकाली जाएगी, जिसकी रूपरेखा लगभग तैयार हो चुकी है तथा शीघ्र ही इसकी घोषणा की जाएगी।

यामाहा म्यूज़िक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने ए.आर. रहमान को अपना ब्रांड एंबेसडर नियुक्त करने की घोषणा किया

लखनऊ, 24 मार्च 2026: ऑस्कर विजेता संगीतकार और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित संगीत आइकन ए.आर. रहमान

ने भारतीय संगीत को वैश्विक मंच तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनकी यह प्रेरक यात्रा भारतीय प्रतिभा की वैश्विक क्षमता को दर्शाती है, जो यामाहा म्यूज़िक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की भारत में संगीत संस्कृति को प्रोत्साहित करने की

प्रतिबद्धता से मेल खाती है।

यह साझेदारी भारत के संगीत इकोसिस्टम को मजबूत करने की दिशा में कंपनी की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता का एक अहम मील का पत्थर साबित होगा ।

यामामोटो ताकेतोशी , मैनेजिंग डायरेक्टर, ने कहा,'संगीत यामाहा म्यूज़िक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की सोच के केंद्र में है। भारत की समृद्ध संगीत विरासत को वैश्विक पहचान मिलनी चाहिए। हमारी ह्यमेड इन इंडियाह्व पहल और ए.आर. रहमान के साथ सहयोग के माध्यम से हम नई पीढ़ी के संगीतकारों को प्रेरित करना और देशभर में संरचित संगीत शिक्षा का विस्तार करना चाहते हैं।'

रयोजी मारुयामा,सेल्स यूनिट हेड, ने कहा,'हमारा उद्देश्य केवल वाद्ययंत्र उपलब्ध कराना नहीं है। हम कार्यशालाओं, स्कूलों के साथ सहयोग और ग्रामीण पहुंच कार्यक्रमों के माध्यम से संगीत समुदायों को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह साझेदारी हर उभरते कलाकार तक संगीत पहुंचाने की हमारी सोच को और मजबूत करती है।'

ए.आर. रहमान ने कहा 'यामाहा म्यूज़िक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड हमेशा से गुणवत्ता, सटीकता और विश्वसनीयता का प्रतीक रहा है। मुझे ऐसे ब्रांड के साथ जुड़कर गर्व है जिसकी विरासत संगीत उत्कृष्टता पर आधारित है और जिसका ह्यमेड इन इंडियाह्व दृष्टिकोण गुणवत्तापूर्ण वाद्ययंत्रों को अधिक सुलभ बना रहा है। यह पहल मेरे के. एम. म्यूज़िक कंजर्वेटरी और द सनशाइन ऑर्केस्ट्रा में प्रशिक्षित हो रहे युवा प्रतिभाओं को भी लाभ पहुंचा रही है। यदि हम युवा कलाकारों का मार्गदर्शन जारी रखें और संगीत शिक्षा को मजबूत बनाएं, तो भारतीय संगीतकार वैश्विक मंच पर नेतृत्व कर सकते हैं।"

भारत में दीर्घकालिक विकास योजना के अंतर्गत यामाहा म्यूज़िक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड अपने 'मेड इन इंडिया' पोर्टफोलियो को लगातार मजबूत कर रही है, जिसमें विशेष रूप से ऑडियो और संगीत वाद्ययंत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया है, ताकि ग्राहकों की आवश्यकताओं को बेहतर ढंग से पूरा किया जा सके।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि से अयोध्या भेजा गया दिव्य प्रसाद : निकाली गई भव्य शोभायात्रा, जय श्रीराम-जय श्रीराधेकृष्ण के गूंजे जयकारे

मथुरा (जीएनएस)। योगीराज प्रभु श्रीकृष्ण की जन्म एवं लीला स्थली मथुरा से सोमवार को श्रीकृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट ने अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि के लिए भव्य प्रसाद भेजा है। इस अवसर पर बैंड-बाजे, भक्ति संगीत और श्रद्धा के बीच निकाली गई शोभायात्रा ने पूरे नगर को भक्ति के रंग में रंग दिया। जानकारी के अनुसार श्रीकृष्ण जन्मभूमि परिसर से सुसज्जित वाहन में प्रसाद को विधिवत पूजा-अर्चना के बाद अयोध्या धाम के लिए रवाना किया गया। इस मौके पर 11 मन धनिए की पंजीरी, सवा मन लड्डू, पंचमेवा, फल, भगवान श्रीराम के लिए वस्त्र-श्रृंगार और सुगंधित दिव्य सामग्री भेजी गई। इस अवसर पर प्रसाद यात्रा अन्न सेवा धाम से प्रारंभ होकर सांस्कृतिक कार्यक्रमों और श्री

राधा-कृष्ण के सजीव स्वरूपों के साथ निकाली गई। इस बीच भक्त नाचते-गाते हुए राधे-राधे और जय श्रीराम के जयकारे लगाते हुए केशव देव मंदिर और भागवत भवन के दर्शन करते हुए यात्रा में शामिल हुए। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु, संत-महंत एवं सनातन धर्म के लोग मौजूद रहे, जिससे पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। इस मौके पर श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के सचिव कपिल शर्मा ने कहा कि भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण एक ही दिव्य शक्ति के दो स्वरूप हैं। कहा कि यह आयोजन सनातन धर्म की एकता और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि अयोध्या में आयोजित भव्य रामनवमीं महोत्सव के लिए यह प्रसाद विशेष रूप से भेजा जा रहा है, जिसे रामलला के जन्मोत्सव पर अर्पित किया जाएगा। सचिव कपिल शर्मा ने जानकारी देते हुए कहा कि केवल प्रसाद ही नहीं, बल्कि श्रीकृष्ण जन्मस्थान के सिद्धहस्त हलवाई और कारीगर भी अयोध्या भेजे गए हैं। यह कारीगर, अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि की रसोई में अपने हाथों से ठाकुरजी के लिए विशेष धनियां की पंजीरी और अन्य भोग तैयार करेंगे। उन्होंने इसे अध्यात्म की त्रिवेणी बताते हुए कहा कि जिस प्रकार जन्माष्टमी पर अयोध्या और काशी से मथुरा प्रसाद आता है, उसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए अब मथुरा से अयोध्या के लिए यह सौगात भेजी गई है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन श्रीराम, श्रीकृष्ण और शिव की एकात्मकता का जीवंत उदाहरण बनकर सनातन धर्म की जड़ों को और अधिक सशक्त करता है।

दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में डॉ. सिफतुल जहरा जैदी की सहभागिता

लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय के उर्दू विभाग तथा फखरुद्दीन अली अहमद मेमोरियल कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में 24 और 25 मार्च को 'उर्दू रुबाई का असली मंजरनामा' विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं भव्य मुशायरे का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतिष्ठित आयोजन में देश-विदेश की नामचीन और मारूफ शख्सियतें शिरकत करेंगी।

इस संगोष्ठी की खास बात यह है कि इसमें ऑल इंडिया न्यूज पेपर एसोसिएशन आईना की राष्ट्रीय उर्दू प्रवक्ता डॉ. सिफतुल जहरा जैदी भी विशेष रूप से शामिल होंगी। डॉ. जैदी एक प्रतिष्ठित लेखिका हैं, जिन्होंने अब तक लगभग 17 किताबें लिखी हैं। वह एक डिग्री कॉलेज में लेक्चरार के रूप में कार्यरत हैं और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय में भी अपनी शैक्षिक सेवाएं दे चुकी हैं। इसके अलावा आकाशवाणी लखनऊ पर अपनी मधुर आवाज और बेहतरीन अंदाज-ए-बयान से उन्होंने खास पहचान बनाई है।

संगोष्ठी में देश के विभिन्न प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों से जुड़े विद्वानों की भागीदारी भी सुनिश्चित हुई है। इनमें जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ख्वाजा मोहम्मद इकरामुद्दीन, जम्मू-कश्मीर से प्रोफेसर सोहाब इनायत मलिक, प्रोफेसर शफीक अशरफी, प्रोफेसर दबीर अहमद, प्रोफेसर समीर इब्राहीम, प्रोफेसर आबिद हुसैन हैदरी, डॉ. अकबर अली बिलग्रामी, प्रोफेसर रेशमा परवीन और प्रोफेसर उमैर मंजर शामिल हैं।

वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इस कार्यक्रम में विशिष्ट हस्तियों की मौजूदगी रहेगी, जिनमें लंदन से अमीर मेहंदी, कनाडा से प्रोफेसर तकी आब्दी, मिश्रा से वला जमाल, अल-असीली तथा जर्मनी से इकबाल हैदर जैसी मशहूर हस्तियां शामिल होंगी।

इस दो दिवसीय संगोष्ठी और मुशायरे का उद्देश्य उर्दू रुबाई की परंपरा, उसके साहित्यिक महत्व और समकालीन परिप्रेक्ष्य में उसकी प्रासंगिकता पर गहन विचार-विमर्श करना है। कार्यक्रम के दौरान विद्वानों द्वारा शोधपत्र प्रस्तुत किए जाएंगे, जबकि मुशायरे में शायर अपनी बेहतरीन रचनाओं से श्रोताओं को रूबरू कराएंगे।

यह आयोजन न केवल उर्दू अदब के चाहने वालों के लिए एक खास मौका साबित होगा, बल्कि साहित्यिक और सांस्कृतिक समन्वय को भी नई दिशा देगा।

आदर्श कोल्ड स्टोरेज में घटित घटना से सम्बन्धित 03 वांछित अभियुक्त थाना फाफामऊ, जनपदीय एस0ओ0जी0 व गंगानगर एस0ओ0जी0 की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार

जोन गंगानगर, कमिश्नरेट प्रयागराज

थाना फाफामऊ क्षेत्रान्तर्गत चंदापुर मोरहू स्थित आदर्श कोल्ड स्टोरेज में घटित घटना से सम्बन्धित 03 वांछित अभियुक्त थाना फाफामऊ, जनपदीय एस0ओ0जी0 व गंगानगर एस0ओ0जी0 की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार

घटना का संक्षिप्त विवरण-

दिनांक-23.03.2026 को समय करीब 13.30 बजे थाना फाफामऊ क्षेत्रान्तर्गत चंदापुर मोरहू स्थित आदर्श कोल्ड स्टोरेज में कूलिंग हेतु प्रयोग किये जाने वाले अमोनिया गैस के चैम्बर के फटने से कोल्ड स्टोरेज का दीवाल सहित छत गिर गया, जिसके मलबे में कुछ मजदूरों के दबने की सूचना पी0आर0वी0 द्वारा थाना फाफामऊ पर दी गयी । इस सूचना पर श्रीमान् पुलिस आयुक्त, अपर पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था प्रयागराज, जिलाधिकारी प्रयागराज, पुलिस उपायुक्त गंगानगर द्वारा मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया गया । स्थानीय पुलिस, एन0डी0आर0एफ0, एस0डी0आर0एफ0 व फायर ब्रिगेड तथा नगर निगम की संयुक्त रेस्क्यू टीम द्वारा मलबे में फसें कुल 18 लोगों को रेस्क्यू किया गया, जिन्हें तत्काल एम्बुलेंस से अस्पताल भेजा गया, जिसमें 04 की मृत्यु हो गयी एवं अन्य घायलों की ईलाज के पश्चात स्थिति सामान्य है । मृतकों के शव का नियमानुसार पंचायतनामा की कार्यवाही कर पोस्टमार्टम हेतु मोर्चरी भेजा जा चुका है । प्रकरण का संज्ञान लेकर थाना फाफामऊ पर मु0अ0सं0-44/2026 धारा-103(1)/127/287/289/125( )/118(1) भा0न्या0सं0 एवं धारा-07 आपराधिक कानून अधिनियम बनाम 1. अंसार अहमद पुत्र नवाब अली 2. जावेद पुत्र निजामुद्दीन 3. मो0 असलम बाबा 4. अलाउद्दीन पुत्र मो0 अनवार 5. उस्मान मैनेजर पुत्र मुकिम अहमद 6. मंजूर पुत्र अंसार अहमद 7. मो0 इरफान पुत्र मुकिमुद्दीन निवासीगण चन्दापुर थाना फाफामऊ कमिश्नरेट प्रयागराज व अन्य सहयोगी 04-05 व्यक्ति नाम पता अज्ञात के विरुद्ध पंजीकृत किया गया ।

पुलिस की कार्यवाही-

श्रीमान् पुलिस आयुक्त महोदय व अतिरिक्त पुलिस आयुक्त के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में श्रीमान् पुलिस उपायुक्त व अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर के पर्यवेक्षण में व सहायक पुलिस आयुक्त थरवई के कुशल नेतृत्व में गंगानगर-जोन के थाना फाफामऊ पर पंजीकृत मु0अ0सं0-44/ 2026 धारा-103(1)/ 127/ 287/ 289/125( )/118(1) भा0न्या0सं0 एवं धारा-07 आपराधिक कानून अधिनियम व बढ़ोत्तरी धारा-109(1)/351(2)/352 भा0न्या0सं0 से सम्बन्धित 03 वांछित अभियुक्त 1. अंसार अहमद पुत्र स्व0 नवाबअली निवासी चन्दापुर थाना फाफामऊ कमिश्नरेट प्रयागराज 2. अलाउद्दीन पुत्र अनवर अहमद निवासी निवासी चन्दापुर थाना फाफामऊ कमिश्नरेट प्रयागराज 3. मंजूर इलाही पुत्र अंसार अहमद निवासी चन्दापुर थाना फाफामऊ कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना फाफामऊ, जनपदीय एस0ओ0जी0 व गंगानगर एस0ओ0जी0 की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक-24.03.2026 को थाना फाफामऊ क्षेत्रान्तर्गत मलाक हरहर स्थित भदरी रेलवे ओवर ब्रिज के पास से 01 फार्च्यूनर कार वाहन सं0-वढ 70 ऊे 1504 व कोल्ड स्टोरेज से सम्बन्धित कागजात व रजिस्टर के साथ गिरफ्तार कर निमयानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी ।

गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण-

1. अंसार अहमद पुत्र स्व0 नवाबअली निवासी चन्दापुर थाना फाफामऊ कमिश्नरेट प्रयागराज, उम्र करीब 70 वर्ष ।
2. अलाउद्दीन पुत्र अनवर अहमद निवासी निवासी चन्दापुर थाना फाफामऊ कमिश्नरेट प्रयागराज, उम्र करीब 32 वर्ष ।
3. मंजूर इलाही पुत्र अंसार अहमद निवासी चन्दापुर थाना फाफामऊ कमिश्नरेट प्रयागराज, उम्र करीब 32 वर्ष ।

सम्बंधित अभियोग का विवरण-

मु0अ0सं0-44/2026 धारा-103(1)/127/287/289/125( )/118(1) भा0न्या0सं0 एवं धारा-07 आपराधिक कानून अधिनियम व बढ़ोत्तरी धारा-109(1)/351(2)/352 भा0न्या0सं0 थाना फाफामऊ कमिश्नरेट प्रयागराज ।

अभियुक्त अंसार अहमद उपरोक्त का आपराधिक इतिहास-

1. मु0अ0सं0-92/2019 धारा-147/148/149/186/188/286/307/323/332/333/336/353/427/435/436/511 भा0द0सं0 थाना कर्नलगंज कमिश्नरेट प्रयागराज ।
2. मु0अ0सं0-44/2026 धारा-103(1)/127/287/289/125( )/118(1) भा0न्या0सं0 एवं धारा-07 आपराधिक कानून अधिनियम व बढ़ोत्तरी धारा-109(1)/351(2)/352 भा0न्या0सं0 थाना फाफामऊ कमिश्नरेट प्रयागराज ।

बरामदगी का विवरण-

* 01 फार्च्यूनर कार वाहन सं0-वढ 70 ऊे 1504

* कोल्ड स्टोरेज से सम्बन्धित कागजात व रजिस्टर ।

गिरफ्तारी/बरामदगी करने वाली पुलिस टीम-

1. थानाध्यक्ष अश्वनी कुमार सिंह, थाना फाफामऊ कमिश्नरेट प्रयागराज ।
2. उ0नि0 सविन तोमर, प्रभारी जनपदीय एस0ओ0जी0 कमिश्नरेट प्रयागराज मय टीम ।
3. उ0नि0 सुखचैन तिवारी, प्रभारी एस0ओ0जी0 गंगानगर कमिश्नरेट प्रयागराज मय टीम ।
4. उ0नि0 दिनेश कुमार यादव, थाना फाफामऊ कमिश्नरेट प्रयागराज ।
5. उ0नि0 मुकेश यादव, थाना फाफामऊ कमिश्नरेट प्रयागराज ।
6. हे0का0 मुकेश कुमार, थाना फाफामऊ कमिश्नरेट प्रयागराज ।

'शी-मार्ट' के रूप में ग्रामीण महिला उद्यमियों को मिलेगा नया बाजार

सरकार का लक्ष्य-महिलाओं को आजीविका से आगे बढ़ाकर सफल उद्यमी बनाना और बाजार से सीधा जोड़ना

लोकसभा में ग्रामीण विकास राज्य मंत्री डॉ. चंद्र शेखर पेम्मासानी ने श्री इटेला राजेंदर के प्रश्न के उत्तर में दी जानकारी

(जीएनएस)।

ग्रामीण विकास मंत्रालय ने आज संसद में जानकारी देते हुए बताया कि सरकार ने ग्रामीण महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों को सशक्त बनाने के लिए ह्यस्वयं सहायता उद्यम मार्टह्न (शी-मार्ट) नामक एक नई पहल की घोषणा की है। इन मार्ट्स की परिकल्पना एक संरचित खुदरा प्लेटफॉर्म के रूप में की गई है, जहाँ स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के सदस्यों द्वारा निर्मित उत्पादों को प्रदर्शित किया जा सकता है और सीधे उपभोक्ताओं को बेचा जा सकता है। इस पहल का उद्देश्य बाजार के साथ

बेहतर संपर्क स्थापित करना, स्थानीय उत्पादों की दृश्यता बढाना, एसएचजी संस्थानों को सुदृढ़ बनाना और महिला उद्यमियों को अपने व्यवसायों का विस्तार करने तथा उन्हें बड़े स्तर पर ले जाने में सक्षम बनाना है।

दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत, ' शी-मार्ट्स' पहल बाजार पहुंच और क्षमता निर्माण की सुविधा प्रदान करती है ताकि महिलाएं स्थायी उद्यम स्थापित कर सकें। ग्रामीण विकास राज्य मंत्री डॉ. चंद्र शेखर पेम्मासानी मंत्री ने जानकारी देते हुए बताया कि सरकार ने संवर्धित और अभिनव वित्तीय साधनों के माध्यम से क्लस्टर स्तर के संघों के भीतर समुदाय-स्वामित्व वाले खुदरा आउटलेट के रूप में 'शी-मार्ट्स' स्थापित करने की घोषणा की है। अभी तक इसके लिए कोई निधि स्वीकृत/व्यय नहीं की गई है। यह पहल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी, जिससे देशभर की लाखों महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिलेगा।

ग्रामीण विकास राज्य मंत्री डॉ. चंद्र शेखर पेम्मासानी ने श्री इटेला राजेंदर के प्रश्न के उत्तर में ये जानकारी दी।

युद्ध के बीच 'ट्रंप के वॉर मिनिस्टर' का अचानक भारत दौरा, किन मुद्दों पर चर्चा

(जीएनएस)।

ईरान में जारी युद्ध और वैश्विक अस्थिरता के बीच अमेरिकी रक्षा नीति के प्रमुख रणनीतिकार इल्ब्रिज कोल्बी अपनी पहली भारत यात्रा पर नई दिल्ली पहुंच रहे हैं। ट्रंप प्रशासन के तहत 'अंडर सेक्रेटरी ऑफ वॉर' की यह यात्रा भारत-अमेरिका रक्षा संबंधों को फिर से पटरी पर लाने की एक बड़ी कोशिश मानी जा रही है।

हाल के दिनों में टैरिफ विवाद के कारण दोनों देशों के रिश्तों में कड़वाहट आई थी, लेकिन अब अमेरिका फिर से भारत के साथ सैन्य और तकनीकी सहयोग बढ़ाना चाहता है। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य लंबित हथियार सौदों को मंजूरी देना और आपसी भरोसे को मजबूत करना है।

टैरिफ विवाद के बाद रिश्तों में नई गर्माहट

ईरान युद्ध से पहले अमेरिका ने भारतीय उत्पादों पर 50% टैरिफ लगा दिया था, जिससे रिश्तों में तनाव आ गया था। अब ट्रंप प्रशासन ने इसे घटाकर 18% कर दिया है और भारत के साथ व्यापारिक व सैन्य संबंधों को सुधारने की पहल की है।

जेट इंजन डील और तकनीकी देरी पर चर्चा

भारत के तेजस फाइटर जेट के लिए GE F414 इंजन की तकनीक मिलना बेहद जरूरी है। अमेरिका इस डील में देरी कर रहा है। कोल्बी की इस यात्रा में इस इंजन के भारत में निर्माण (ल्हअछ के साथ मिलकर) और तकनीक हस्तांतरण पर गंभीर बातचीत होने की उम्मीद है।

प्रमुख हथियार सौदे और निगरानी विमान

भारतीय नौसेना के लिए बोइंग से 6 अतिरिक्त P-8I समुद्री निगरानी विमान खरीदने पर विचार चल रहा है। इसके अलावा, सीमा सुरक्षा के लिए ड्रोन और एंटी-ड्रोन सिस्टम को मिलकर बनाने पर भी दोनों देशों के बीच सहमति बन सकती है।

INDUS- और रक्षा उद्योग का विस्तार

कोल्बी INDUS- जैसे मंचों को फिर से सक्रिय करना चाहते हैं। इसका मकसद भारतीय और अमेरिकी निजी कंपनियों को एक साथ लाना है ताकि अत्याधुनिक हथियारों का उत्पादन भारत में ही किया जा सके और दोनों सेनाओं के बीच तालमेल बढ़े।

क्वाड और चीन पर बदलता नजरिया

चीन के खिलाफ बने 'क्वाड' समूह की बैठक लंबे समय से नहीं हुई है और ट्रंप के चीन के प्रति नरम रुख ने चिंता बढ़ा दी है। कोल्बी की यात्रा से यह साफ होगा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका, भारत को कितनी अहमियत देता है।

दिल्ली के विभिन्न कैंपस में विकसित भारत युवा कनेक्ट में जोरदार भागीदारी देखने को मिली

हमारे युवाओं की ऊर्जा और विचार विकसित भारत की कुंजी हैं - डॉ. पल्लवी जैन गोविल

(जीएनएस)।

दिल्ली युवा कनेक्ट के दूसरे चरण की गति को आगे बढ़ाते हुए, 24 मार्च 2026 को प्रमुख संस्थानों के 850 से अधिक छात्रों ने विकसित भारत युवा कनेक्ट कार्यक्रम में भाग लिया, और राष्ट्र-निर्माण तथा विकसित भारत@2047' के विजन पर सार्थक संवाद किया।

आज का यह कार्यक्रम दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीटीयू), इंदिरा गांधी दिल्ली महिला तकनीकी विश्वविद्यालय (आईजीडीटीयूडब्ल्यू) और रोहिणी स्थित गीतारत्न इंटरनेशनल बिजनेस स्कूल सहित तीन प्रमुख संस्थानों में आयोजित किया गया। युवा आइकन ओम तिवारी, शुभांगी क्षितिज और रणवीर सिंह सोलंकी के नेतृत्व में सत्रों के माध्यम से भाग लेने वाले छात्रों के साथ सार्थक बातचीत और युवा संवाद को बढ़ावा दिया गया।

आईजीडीटीयूडब्ल्यू में आयोजित सत्र में युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की सचिव डॉ. पल्लवी जैन गोविल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं और उन्होंने छात्रों से बातचीत करते हुए उन्हें राष्ट्र निर्माण में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

छात्रों को संबोधित करते हुए डॉ. पल्लवी जैन गोविल ने भारत के भविष्य को आकार देने में युवा महिलाओं की शक्ति पर प्रकाश डाला और राष्ट्रीय पहलों में सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित किया। उन्होंने युवाओं को विचार प्रस्तुत करने और सार्थक परिवर्तन लाने में सक्षम बनाने के लिए माय भारत और विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग (वीबीवाईएलडी) जैसे मंचों की भूमिका पर भी बल दिया।

विभिन्न संस्थानों में आयोजित सत्रों में आकर्षक प्रस्तुतियाँ और युवा संवाद चर्चाएँ शामिल थीं, जिनमें विद्यार्थियों ने भारत की विकास गाथा में योगदान देने से जुड़े अपने विचार, आकांक्षाएँ और दृष्टिकोण साझा किए।

इन गतिविधियों के साथ, दिल्ली युवा कनेक्ट के चरण 2 में अब तक 33 सत्र हो चुके हैं, जिनमें 7,300 से अधिक युवाओं ने भाग लिया है , जो इस पहल के तहत युवा भागीदारी की बढ़ती गति को दर्शाता है।

छात्रों और युवा नागरिकों को माय भारत पोर्टल पर पंजीकरण करने और युवा नेतृत्व वाली पहलों, स्वयंसेवा के अवसरों और राष्ट्र निर्माण कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। युवा सहभागिता के लिए एक ही स्थान पर सभी समाधान प्रदान करने वाले माय भारत, युवाओं को विकसित भारत@2047 के विजन में सार्थक योगदान देने के अवसरों से जोड़ना जारी रखता है ।

भूटान के रॉयल सिविल सर्विस कमीशन प्रतिनिधिमंडल का परीक्षा प्रबंधन- स्वचालन अध्ययन के लिए यूपीएससी का दौरा

(जीएनएस)।

भूटान के रॉयल सिविल सर्विस कमीशन-आरसीएससी के तीन सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने परीक्षा प्रबंधन प्रणाली और स्वचालन प्रक्रियाओं के अध्ययन के लिए संघ लोक सेवा आयोग-यूपीएससी का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल में आरसीएससी के आयुक्त डॉ. शेरिंग सिगे दोरजी, भूटान सिविल सेवा परीक्षा प्रमुख श्री ताशी तोबगे और वरिष्ठ मानव संसाधन सहायक श्री दोरजी वांगचुक शामिल रहे।

भूटानी प्रतिनिधिमंडल को संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा प्रक्रियाओं, परीक्षा उपरांत व्यवस्था और प्रौद्योगिकी-आधारित तंत्रों की जानकारी दी गई, जो विश्व की सबसे बड़ी योग्यता-आधारित सार्वजनिक भर्ती प्रणालियों में से एक है। इस दौरान उनके साथ पारदर्शिता, सत्यनिष्ठा, दक्षता और देशभर के विभिन्न केंद्रों में परीक्षा आयोजित करने के व्यापक प्रचालन व्यवस्थाओं पर चर्चा हुई। भूटानी प्रतिनिधिमंडल ने यूपीएससी द्वारा उपयोग किए जाने वाले डिजिटल और एआई-सक्षम उपकरण-लाइव फेस मैचिंग, आधार प्रमाणीकरण, दोहराव हटाने वाले सॉफ्टवेयर, विभिन्न अनुप्रयोगों में एआई-आधारित सुविधाएं और प्रतिभासेतु पोर्टल में भी गहरी रुचि प्रदर्शित की।

यूपीएससी के अध्यक्ष डॉ. अजय कुमार ने कहा कि संघ लोक सेवा आयोग ने अपनी परीक्षा प्रक्रियाओं में सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता और योग्यता के उच्चतम मानक निरंतर कायम रखे हैं। उन्होंने कहा कि वर्षों से हमारी परीक्षा प्रणाली और कार्य व्यवहार एक सुदृढ़ मॉडल के रूप में विकसित हुई है जो अन्य संस्थानों और देशों के लिए मानदंड बन सकती है।

भूटान रॉयल सिविल सर्विस कमीशन के आयुक्त डॉ. शेरिंग सिगे दोरजी ने कहा कि दौरे से बहुमूल्य जानकारी मिली है जो भूटान में साफ सुथरे, पारदर्शी और कुशल परीक्षा प्रणाली को सुदृढ बनाने में सहायक होगी। उन्होंने कहा कि भारत का संघ लोक सेवा आयोग इतनी बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों के लिए परीक्षा आयोजित करने के बावजूद हमेशा सत्यनिष्ठा और निष्पक्षता के उच्चतम मानक बनाए रखता है। उन्होंने कहा कि यहां का दौरा कर हमें संघ लोक सेवा आयोग की चयन प्रक्रियाओं की सुदृढ़ता का अंदाजा हुआ। उन्होंने कहा कि अन्य पहल के साथ, हम प्रतिभा सेतु पहल संबंधी ज्ञान भूटान में अपनाना चाहेंगे।

भूटानी प्रतिनिधिमंडल ने यूपीएससी परीक्षा केंद्र और यूपीएससी संग्रहालय भी देखा। यह दौरा संघ लोक सेवा आयोग और भूटान के रॉयल सिविल सर्विस कमीशन के बीच मजबूत और निरंतर सहयोग को दर्शाता है। दोनों संस्थानों के बीच समझौता ज्ञापन नवीनीकरण प्रक्रिया उन्नत चरण में है।

पीएम-किसानः केंद्र ने प्रारंभ से अब तक 22 किश्तों में 4.27 लाख करोड़ रुपये वितरित किए

(जीएनएस)।

पीएम-किसान योजना एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है, जिसकी शुरूआत फरवरी 2019 में प्रधानमंत्री द्वारा खेती योग्य भूमि धारक किसानों की वित्तीय आवश्यकताओं को पूरक प्रदान करने के लिए की गई थी।

इस योजना के तहत, किसानों के आधार सीडेड बैंक खातों में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) मोड के माध्यम से प्रति वर्ष 6,000 रुपये की वित्तीय सहायता तीन समान किश्तों में हस्तांतरित की जाती है। भारत सरकार ने प्रारंभ से अब तक 22 किश्तों में 4.27 लाख करोड़ रुपये से अधिक वितरित किए हैं।21वीं किश्त के जारी करने के दौरान, जो 19 नवंबर 2025 को किया गया था, 9.35 करोड़ से अधिक किसानों को लाभ मिला।पीएम-किसान योजना के कई प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन किए गए हैं, जो किसानों की आय और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभाव को रेखांकित करते हैं। उनके निष्कर्ष निम्नलिखित हैं:

(i) इंटरनेशनल फूड पॉलिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट (आईएफपीआरआई) द्वारा 2019 में किया गया एक स्वतंत्र अध्ययन बताता है कि पीएम-किसान के तहत प्रदान किए गए धन ने ग्रामीण आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, ऋण बाधाओं को कम किया है, तथा कृषि निवेशों में वृद्धि की है। इसके अतिरिक्त, इन धनों ने किसानों की जोखिम लेने की क्षमता में सुधार किया है, जिससे वे उत्पादक लेकिन जोखिम भरी निवेश कर सकें।

(ii) कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने किसान कॉल सेंटर्स (केसीसी) का उपयोग करके एक व्यापक फीडबैक तंत्र लागू किया है और उसके सर्वेक्षण दिखाते हैं कि 93% से अधिक किसान इन लाभों का उपयोग कृषि गतिविधियों के लिए कर रहे हैं।

(iii) नीति आयोग के डेवलपमेंट मॉनिटरिंग एंड इवैल्यूएशन ऑफिस (डीएमईओ) ने पीएम-किसान योजना पर प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन किया। अध्ययन के निष्कर्ष दर्शाते हैं कि योजना अपनी प्राथमिक भूमिका को सफलतापूर्वक निभा रही है, अर्थात कृषि भूमि धारक किसानों को प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता प्रदान करना, जिससे उनकी आर्थिक स्थिरता और कृषि उत्पादकता में वृद्धि हो रही है। अध्ययन यह भी दिखाता है कि 92 प्रतिशत से अधिक लाभार्थी किसानों ने वित्तीय सहायता का उपयोग आवश्यक कृषि निवेशों जैसे बीज, उर्वरक और कीटनाशकों के लिए किया है, जो बढ़ती लागत और मौसम संबंधी अनिश्चितताओं के संदर्भ में विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं। इसके अतिरिक्त, लगभग 85 प्रतिशत लाभार्थी किसानों ने कृषि आय में वृद्धि की रिपोर्ट की है, तथा फसल विफलता या चिकित्सा आपातकाल के दौरान अनौपचारिक ऋण पर निर्भरता में महत्वपूर्ण कमी आई है। यह अध्ययन योजना के भारत के सतत विकास लक्ष्यों से संबंधित गरीबी उन्मूलन, खाद्य सुरक्षा, लैंगिक समानता तथा संस्थागत पारदर्शिता में योगदान को दर्शाता है।पीएम-किसान पोर्टल पर एक समर्पित ह्यकिसान कॉर्नरह्न प्रदान किया गया है, जहाँ किसानों के लिए कई सुविधाएँ उपलब्ध हैं, जिनमें लाभार्थी स्थिति की जाँच और किश्त भुगतान विवरण शामिल हैं। पोर्टल पर 'नो योर स्टेटस' नामक अतिरिक्त कार्यक्षमता भी उपलब्ध है, जिससे किसान अपनी पात्रता और भुगतान स्थिति की जाँच कर सकते हैं। किसान अपने स्थानीय कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) पर भी जा सकते हैं, जहाँ वे अपनी लाभार्थी स्थिति और किश्त भुगतान विवरण प्राप्त कर सकते हैं।इसके अतिरिक्त, योजना के विशाल लाभार्थी आधार को ध्यान में रखते हुए, लाभार्थियों द्वारा उठाए गए सामान्य प्रश्नों और शिकायतों का त्वरित समाधान करने के लिए एक वॉयस-बेस्ड पीएम-किसान एआई चैटबॉट (किसान ई-मित्र) विकसित किया गया है। यह चैटबॉट किसानों के प्रश्नों के त्वरित, सटीक और स्पष्ट उत्तर प्रदान करता है, जो 24x7 उपलब्ध है और उनकी मातृभाषा में है, जिससे प्रणाली अधिक सुलभ और उपयोगकर्ता-अनुकूल बनती है। यह सभी प्लेटफॉर्म्स जैसे वेब, मोबाइल आदि पर उपलब्ध है। किसान ई-मित्र चैटबॉट वर्तमान में 11 भाषाओं में कार्य करता है—अंग्रेजी, हिंदी, उड़िया, तमिल, बंगाली, मलयालम, गुजराती, पंजाबी, कन्नड़, तेलुगु और मराठी। अब तक, 53 लाख से अधिक किसानों के 95 लाख से अधिक प्रश्नों का समाधान किया गया है। यह चैटबॉट किसान की लाभार्थी स्थिति और भुगतान विवरण की जानकारी भी प्रदान करता है।पीएम-किसान योजना के तहत पंजीकरण के लिए आधार नंबर अनिवार्य है और पीएम-किसान के सभी लाभार्थी आधार प्रमाणित हैं। इसके अतिरिक्त, सभी भुगतान आधार आधारित भुगतान प्रणाली मोड के माध्यम से लाभार्थियों के आधार से जुड़े बैंक खाते में सीधे किए जाते हैं। विभाग नियमित रूप से राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों, कॉमन सर्विस सेंटर्स (सीएससी) और इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी) के साथ समन्वय में केंद्रित संतृप्ति अभियान चलाता है ताकि बैंक खातों का आधार सीडिंग सुगम हो।

यह जानकारी आज लोकसभा में राज्यसभा सांसद एवं कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री श्री रामनाथ ठाकुर द्वारा लिखित उत्तर में दी गई।